जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 68 प्रभात अजमेर, गुरुवार 6 अक्टूबर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

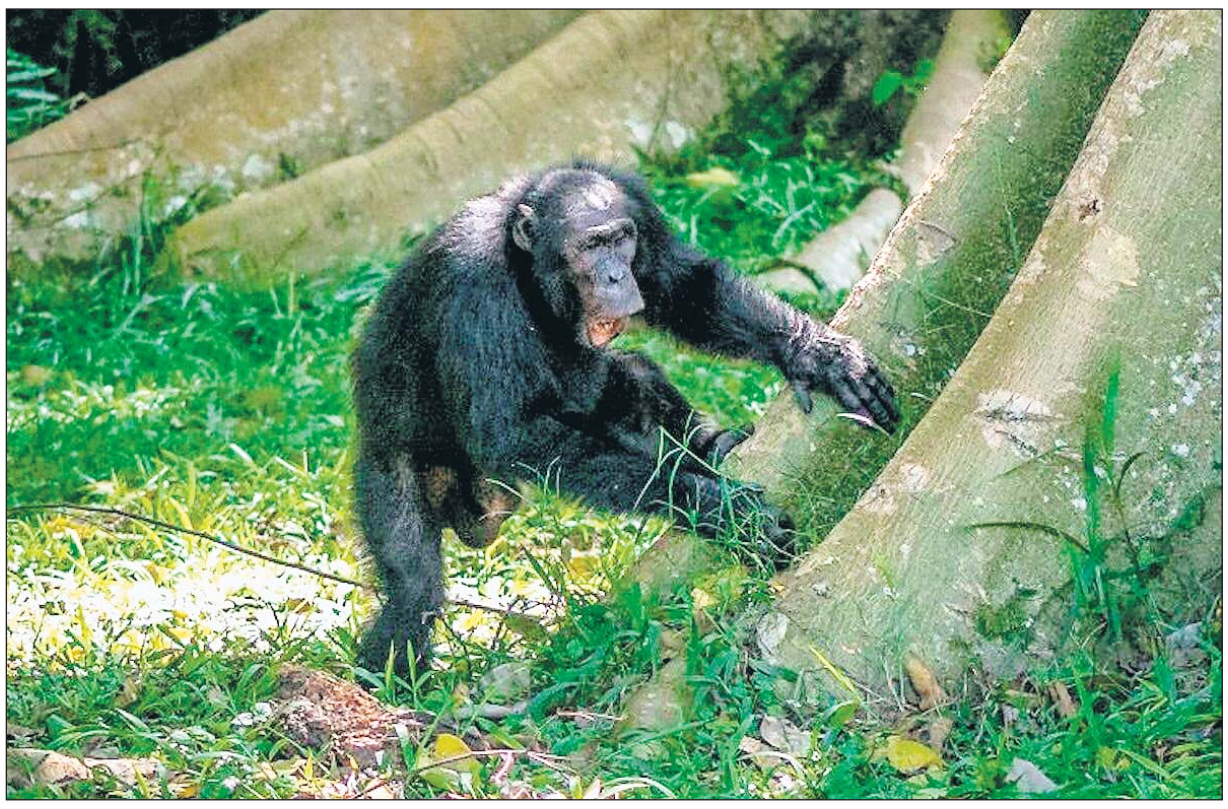

युगांडा के वर्षावन में एक दिन एक रोचक नजारा दिखाई दिया। एक नर चिम्पैंज़ी तेज आवाज निकालते हुए पेड़ की तरफ दौड़ा। फिर पेड़ पर नीचे जड़ की तरफ अपने पैंरों से रिद्म के साथ प्रहार करने लगा। स्कॉटलैंड में युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की प्राइमटॉलजिस्ट कैथरीन होबेटर ने बताया कि, ''जब आप हाथ या पैंर से जड़ पर जोरदार प्रहार करते हैं तो गहरी गूंजती हुई आवाज निकलती है, जो जंगल में दूर तक सुनाई देती है।'' वैज्ञानिक चिम्पैंज़ी के ड्रम बजाने जैसे व्यवहार के बारे में वर्षों से जानते हैं लेकिन हाल ही में एनिमल बिहेवियर जर्नल में छपे एक शोध में बताया गया है कि, हरेक नर का ड्रम बजाने का अपना विशिष्ट तरीका होता है और इसका इस्तेमाल वो सूचना देने के लिए करता है, जैसे कि वो कहां हैं और क्या कर रहा है। रिसर्च टीम ने 8 चिम्पैंज़ी के बीच के लम्बी दूरी के 273 संवाद रिकॉर्ड किए। उन्होंने चिम्पैंज़ी द्वारा बजाए गए ड्रम की अकूस्टिक संरचना का विश्लेषण किया, और उनकी अवधि, बीट्स की संख्या, दो बीट्स के बीच का समय आदि का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि, चिम्पैंज़ी जब यात्रा कर रहे होते हैं या जब छोटे-छोटे समूहों में होते हैं तब ही ड्रमिंग करते हैं। यात्रा के दौरान ड्रमिंग दो चिम्पैंज़ी के बीच के अन्तर को बताती है और ये आवाज़ें दूरस्थ समूह के सदस्यों को सम्पर्क करने का संदेश देने के लिए भी हो सकती हैं। मुख्य शोध लेखक, युनिवर्सिटी ऑफ विएना की वैज्ञानिक वेस्ता एलोतेरी ने कहा, ''संक्षेप में यह व्यवहार चिम्पैंज़ी के सोशल मीडिया की तरह है। हमने यह भी पाया कि चिम्पैंज़ी जब अकेले होते हैं या छोटे समूह में होते हैं तब ड्रम ज्यादा बजाते हैं शायद वे दूसरों को आमंत्रित करते हैं। इसी प्रकार जब वे यात्रा नहीं कर रहे होते हैं या अकेले होते हैं तब अपनी विशिष्ट ध्वनि नहीं बजाते, क्योंकि तब वे अपनी पहचान छुपा लेना चाहते हैं। इस नए शोध से यह रहस्य सुलझाने में मदद मिलेगी कि एक दूसरे से मिलने पर चिम्पैंज़ी अभिवादन क्यों करते हैं और अलग होने पर गुडबाय क्यों नहीं करते।

राष्ट्रपति शी अपने आपको ''चेयरमैन'' का ओहदा देंगे, पार्टी की राष्ट्रीय कांग्रेस में

यह ओहदा पहले, आधुनिक चीन की स्थापना करने वाले जन नेता माओ को ही मिला था, 1976 में उनके स्वर्गवास होने तक तथा 1982 में यह पद खत्म कर दिया गया थाजाने माने

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आगामी 16 अक्टूबर को चीन के राष्ट्रपति शी जिंनपिंग चेयरमैन का तमगा हासिल कर लेंगे और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं राष्ट्रीय कांग्रेस में वे पार्टी पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट कहती है कि नैशनल कांग्रेस में राष्ट्रपति शी जिंनपिंग तीसरी बार 5 साल का कार्यकाल हासिल करेंगे और स्वयं के लिए माओ युग के टाइटल ''चेयरमैन'' को पुनर्जीवित करेंगे और पार्टी में स्वयं के लिए आजीवन सर्वोच्च पद हासिल कर लेंगे। इसके लिए संविधान के संशोधन करेंगे और राष्ट्रपति के लिए कार्यकाल पर लगी सीमा खत्म कर देंगे।

इसी बीच यह खबरें भी मिल रही हैं कि माओ शैली का व्यक्तिवाद पनप रहा है। संस्थाएं और राजनैतिक व्यक्ति शी के प्रति पूर्ण निष्ठा घोषित कर रहे हैं। शी खुद भी माओ के शिष्य रहे हैं और उनकी विचारधारा पर चलते हैं।

माओ के पास चेयरमैन टाइटल था, जिसे आधुनिक चीन का जनक माना जाता है वह आजीवन 1976 में अपनी मृत्यु तक चेयरमैन रहा था। वर्ष 1982 में इस टाइटल को खत्म कर महासचिव टाइटल लाया गया। उस समय संविधान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उस समय चेयरमैन को काफी व्यापक अधिकार प्राप्त थे, जैसे चीन की सेना का कमाण्ड।
- माओ के समय, चीन में ''माओ के विचार'' नाम से माओ की फिलॉसफी व सोच का संग्रह ''रैड बुक'' के रूप में अधिकृत रूप से प्रचारित व प्रकाशित की जाती थी।
- उसी तर्ज पर अब ''शी जिंगपिंग के विचार'' प्रकाशित किये गये हैं। तथा स्कूलों, अखबारों में, टेलीविजन पर, इंटरनैट पर, होर्डिंग्स व बैनर-पोस्टर के माध्यम से प्रसारित किये जा रहे हैं।
- राष्ट्रपति शी प्रारंभ से ही माओ की पर्सनल ब्राण्ड वाली राजनीतिक सोच के कट्टर अनुयायी हैं और अब चीन के आर्थिक रूप से सशक्त बनने के बाद, राष्ट्रपति शी ने नारा दिया है कि, चीन समूह ही नई राजनीतिक व सैन्य तैयारी की दृष्टि से विश्व का ''नम्बर वन'' देश होना चाहिये।

गठन के बाईस साल बाद टी.आर.एस., बी.आर.एस. में परिवर्तित

तेलंगाना के मु.मंत्री के.सी.आर. ने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा की यात्रा में पहला ठोस कदम उठाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने आज पूर्व निर्धारित मुर्हूत, अपरान्ह 1:19 बजे अपने क्षेत्रीय राजनैतिक दल ''तेलगांना राष्ट्र समिति'' को एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल का स्वरूप दे दिया तथा उसका नाम बदलकर ''भारत राष्ट्र समिति'' कर दिया। यह घोषणा उन्होंने आज हैदराबाद में आयोजित एक विशेष समारोह में की। बड़ी धूमधाम के साथ आयोजित इस भव्य समारोह में उनकी पार्टी के नेताओं के अलावा, कई विशेष आमंत्रित राजनैतिक हस्तियाँ मौजूद थीं, जिनमें शामिल थे- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी तथा तमिल क्षेत्रीय दल, ''विदुथलाई चिरुतेगल काची (वी.सी.के.) नेता तोल तिरुमवलानन।

अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं तथा खासतौर से, 2024 के लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार को बेदखल करने के दृढ़ निश्चय की घोषणा करते हुये, के.सी.आर. (तेलंगाना-मुख्यमंत्री

- के.सी.आर. ने 2019 में भी गैर भाजपा, गैर कांग्रेस मंच का गठन किया था। पर, उनको विपक्ष का भारी समर्थन नहीं मिला था, क्योंकि तब वे कांग्रेस को इस मंच से जोड़ने के सख्त खिलाफ थे।
- उनके कांग्रेस विरोधी इस रवैये के कारण विपक्ष में यह भावना भी फैली थी कि, कहीं के.सी.आर. भाजपा के पक्ष में खेल तो नहीं खेल रहे हैं।

इसी नाम से प्रसिद्ध हैं) ने कहा कि वे विपक्ष को एकजुट करके अपनी योजना तथा रणनीति का खुलासा करेंगे। अपनी योजना के प्रमुख बिन्दुओं के अनुसार, के.सी.आर. विकास के ''तेलंगाना मॉडल'' को सारे देश में पहुँचाना चाहते हैं तथा पूरे भारत में इसे क्रियान्वित करने के अवसर की तलाश में हैं।

के.सी.आर. ने 2019 में भी राष्ट्रीय स्तर पर एक ग़ैर-भाजपा एवं ग़ैर-कांग्रेस मोर्चा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय उनकी इस पहल को स्वीकार एवं अंगीकार करने वाला शायद कोई नहीं था। उस समय, कुछ राजनैतिक दलों को यह संदेह पीड़ा पहुँचा रहा था कि शायद के.सी.आर. विपक्षी एकता को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं तथा कुछ नेताओं ने उनके इरादों को संदेह की नजर से देखा था। उन लोगों का संदेह यह था कि वे भाजपा के इशारे पर यह खेल खेलने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन चूँकि अब भाजपा ने तेलंगाना में के.सी.आर. तथा उनकी पार्टी को परेशान करने के कदम उठाना शुरु कर दिया है, तो अब यह लग रहा है कि के.सी.आर. भाजपा का सामना करने के अपने प्रयासों को लेकर वास्तव में कुछ गंभीर है। लेकिन अब भी कुछ राजनैतिक पर्यवेक्षेक ऐसे हैं जो तेलंगाना के इस क्षेत्रीय राजनेता के असली इरादों पर संदेह कर रहे है, क्योंकि वे लगातार कांग्रेस-रहित विपक्ष की बात करते आ रहे हैं।

जब तक, कांग्रेस सहित, समूचा विपक्ष एकजुट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी चुनावी लड़ाई में भाजपा का सामना कर पाना मुश्किल होगा- यह एक जमीनी वास्तविकता है और इस बात को के.सी.आर. भी अच्छी तरह समझते हैं क्योंकि यह सामान्य गणितीय हिसाब-किताब है। के.सी.आर. तथा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी- दोनों ही कांग्रेस से कोई लेना-देना रखने के विरोधी के रूप में देखे जाते हैं।

और विपक्ष के गठजोड़ को बलपूर्वक खोल देने में, उसे अलग-अलग कर देने में ही, भाजपा के लिये अवसर अन्तर्निहित है। के.सी.आर. ने विपक्षी एकता की दिशा में कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीनी का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (वार्ता)। देश से चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2021-22 में 109.8 लाख मिट्रिक टन (एलएमटी) का रिकॉर्ड उच्चतम चीनी का निर्यात हुआ जिससे लगभग 40,000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित की गयी।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि चीनी सत्र के दौरान 5000 एल.एम.टी. से अधिक गन्ने का उत्पादन हुआ है, जिसमें से लगभग 3574 एलएमटी गन्ने को चीनी मिलों ने संवर्धित कर करीब 394 लाख टन चीनी (सुक्रोज) का उत्पादन किया है। इसमें से 35 एल.एम.टी. चीनी का इस्तेमाल एथनॉल तैयार करने में और शेष का मिलों द्वारा 359 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया।

मंत्रालय ने कहा कि, भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक

- इस वर्ष 109.8 लाख मीट्रिक टन चीनी का निर्यात किया है भारत ने, जिससे देश को 40 हजार करोड़ रु. की आय हुई है।

दशहरे पर संघ प्रमुख भागवत ने अपने उद्बोधन में मुसलमानों को आश्वस्त किया

'हिन्दुओं के संगठित होने से मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैलाने की खबर फिजूल की बात है'

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत आज बुधवार को अपने फिर उसी विचार बिन्दु पर लौट आये, जिस पर वे अपने दशहरा-संबोधन में प्राय: बोलते हैं- हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा।

पिछले वर्षों में, भागवत बहुत से तत्कालीन एवं उस समय उभर रहे मुद्दों पर बोल चुके हैं लेकिन आज वे अपने प्रिय मुद्दों पर वापस लौट आये, जैसे- जनसंख्या-नियंत्रण की आवश्यकता तथा पाकिस्तान और चीन पर तीखे प्रहार। पिछले वर्ष के दशहरा संबोधन में उन्होंने देश में जनसंख्या-असंतुलन को लेकर गहरी चिन्ता व्यक्त की थी तथा अगले पाँच वर्ष के लिये जनसंख्या-नीति बनाने पर जोर दिया था। उससे एक साल पहले, उन्होंने इस बात को दोहराया था कि हिन्दुत्व एक धार्मिक विषय नहीं, एक जीवन-शैली है। 2019 में उन्होंने कहा था कि भारत एक हिन्दू राष्ट्र था तथा उन ''भारतीय पूर्वजों'' के वंशजों का ही भारत में रहने के लिये स्वागत है। 2018 में, उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरु करने के लिये जल्दी से कानून लाने तथा उसका क्रियान्वयन करने पर जोर दिया था तथा उन लोगों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भागवत ने यह भी कहा कि, हिन्दुओं ने कभी भी इतिहास में ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे मुसलमानों में असुरक्षा की भावना फैले और न ऐसा कभी भविष्य में होगा। ऐसा सोच न तो संघ में है और न ही हिन्दुओं में।
- भागवत ने कहा, प्रबुद्ध व प्रभावशाली मुसलमानों ने उदयपुर व अमरावती में नूपुर शर्मा का समर्थन करने के कारण एक दर्जी व एक फार्मासिस्ट की नृशंस हत्या करने पर विरोध जताया था, पर यह एक अकेली घटना नहीं होनी चाहिये थी, बल्कि पूरे मुस्लिम समाज को एकजुट होकर विरोध जताना चाहिये था। भागवत के अनुसार कई हिन्दू संगठनों ने सख्त विरोध जताया है, जब भी किसी हिन्दू ने हिंसक घटना को अंजाम दिया है।

फर्जी नामों से उठाया 9.30 क्विंटल गेहूं

हनुमानगढ़, 5 अक्टूबर (कासं)। फर्जी तरीके से राशन कार्ड में 2 नाम जुड़वाकर खाद्य सुरक्षा योजना का अनुचित लाभ उठाने और राजकोष को हानि पहुंचाने का मामला सामने आया है। जिला रसद अधिकारी ऑफिस के प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार मेघवाल ने जंक्शन पुलिस थाना में सुरेशिया गांव निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है।

- प्रवर्तन अधिकारी ने इस संबंध में स्थानीय व्यक्ति प्रदीप कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया।

प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार (36) पुत्र सतपाल मेघवाल, निवासी 6 डीबीएन, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई और बताया कि प्रदीप कुमार पुत्र कृष्ण लाल कुम्हार, निवासी सुरेशिया के नाम बीपीएल

सेना का हैलिकॉप्टर क्रैश, पायलट की मौत

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। अरुणाचल प्रदेश में बुधवार को सेना का चीता हैलिकॉप्टर क्रैश हो गया। खबर है कि हादसे में एक पायलट की मौत हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि हादसा उस वक्त हुआ, जब हेलिकाप्टर नियमित उड़ान भर रहा था। फिलहाल, सेना की वजह से दुर्घटना का पता लगाया जा रहा है। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि हेलिकाप्टर सुबह करीब 10 बजे नियमित उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में दोनों ही पायलट बुरी तरह घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में पायलट कर्नल सौरभ यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं, दल के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यह हादसा अरुणाचल प्रदेश में हुआ, जहाँ हैलिकॉप्टर अपनी नियमित उड़ान पर था।

'झूठ बोला है तो कायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए'

दिव्या मदेरणा की धारीवाल, जोशी, राठौड़ को सलाह

जयपुर, 5 अक्टूबर (का.प्र.)। ''झूठ बोला है तो क़ायम भी रहो उस पर ज़फ़र, आदमी को साहब-ए-किरदार होना चाहिए।'' मशहूर शायर ज़फ़र इकबाल के इस शेर के साथ विधायक दिव्या मदेरणा ने राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक महेश जोशी और राजस्थान टूरिज़्म डवलपमैंट कॉरपोरेशन (आर.टी.डी.सी.) के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को सलाह दी है।

इन तीनों ने 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस आलाकमान के पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन की ओर से बुलाई गई विधायक दल की बैठक के समानांतर अलग बैठक बुलाई थी और इसके लिए इन्हें पार्टी आलाकमान की ओर से कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

दिव्या मदेरणा, जो कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे परसराम मदेरणा की पौत्री हैं, 25 सितंबर के बाद से लगातार धारीवाल और जोशी पर निशाना साध रही हैं। दिव्या मदेरणा द्वारा यह सलाह ऐसे समय में दी गई है, जब कांग्रेस आलाकमान की ओर से इन तीनों को दिए गए नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर गुरुवार को समाप्त होने जा रही है और इन्हें तब तक अपना जवाब आलाकमान तक अनिवार्य रुप से भिजवा देना है।

इन तीनों के द्वारा जवाब दिए जाने के बाद ही यह तय होगा कि पार्टी विधायक दल की समानांतर बैठक बुलाए जाने के मामले को लेकर इनके जवाब से कांग्रेस आलाकमान संतुष्ट होता है या नहीं, अगर नहीं तो फिर इन पर क्या कार्यवाही की जाती है, क्योंकि जिस तरह से समानांतर बैठक बुलाई गई थी और फिर उसमें आलाकमान के खिलाफ जिस तरह से भाषणबाजी हुई थी, उसके तमाम वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं। महत्वपूर्ण यह है कि धारीवाल, जोशी और राठौड़ कारण बताओ नोटिस का क्या जवाब देते हैं।

वैसे दिव्या मदेरणा ने नोटिस का जवाब दिए जाने की अवधि खत्म होने के 1 दिन पहले ही जफर इकबाल के इस शेर के जरिए एक बात तो फिर जाहिर कर दी है कि समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाए जाने के बाद इन नेताओं ने झूठ बोला था।

- दिव्या मदेरणा ने यह सलाह धारीवाल, जोशी और धर्मेन्द्र राठौड़ को ऐसे समय में दी है, जबकि उन्हें दिए गए कारण बताओ नोटिस की अवधि 6 अक्टूबर को खत्म हो रही है, इन तीनों को 6 अक्टूबर तक आलाकमान को अपना जवाब भेजना है।
- बताया जा रहा है कि, 25 सितम्बर को हुई समानान्तर बैठक में आलाकमान के खिलाफ जो भाषणबाजी हुई थी, उसके वीडियो दिल्ली पहुंच चुके हैं।
- दिव्या मदेरणा की सलाह से एक बात और साफ हो गई है कि, उक्त बैठक के बाद तीनों नेताओं ने झूठी बयानबाजी की थी।

विचार बिन्दु

कलियुग में रहना है या सतयुग में यह तुम स्वयं चुनो, तुम्हारा युग तुम्हारे पास है। –विनोबा

आरक्षण का भूत

आरक्षण को लेकर छोटे-बड़े आन्दोलन व अदालतों में कानूनी लड़ाई चलती ही रहती है। कई बार एक अदालत का निर्णय दूसरी अदालत से भिन्न होते है, जो फिर नई कानूनी जंग की शुरुआत कर देते है। देश नें मंडल आयोग की सफिरिशों के आंशिक रूप से लागू किए जाने के बाद हिंसक आंदोलन देखा। राजस्थान में भी मूल ओबीसी, सामाजिक न्याय, समता व अन्य नामों के बैनर्स के नीचे आंदोलन हुए। गुर्जरों के आरक्षण हेतु आंदोलन की यादें तो सभी को होगी जो पहले ST वर्ग में शामिल होना चाहते थे और फिर OBC से अलग निश्चित कोटा चाहते थे।

एस सी, एस टी वर्ग को संविधान के जरिए बहुत पहले से विधायिकाओं और सरकारी नोकरियों में आरक्षण मिला हुआ है। इस के सम्बंध में कानून कायदे की स्थिति स्पष्ट व स्थापित हो चुकी किन्तु ओबीसी, वर्ग के लिए अदालती फैसले व सरकारी नोटिफिकेशन्स की स्थिति राजनेताओं व उच्च अधिकारी वर्ग की अच्छी-बुरी नियत, आश्वासनों के अनुसार बदलती रही है।

अभी हाल ही में जो OBC युवाओं का एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन हुआ, उसका कारण भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षण को व रोस्टर रजिस्टर को गलत ढंग से क्रियान्वित करने को माना जा रहा है।

सरकार नें भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी भर्तियों में 12 प्रतिशत आरक्षण किया है। इसके क्रियान्वयन के लिए जारी प्रक्रिया में यह व्यवस्था कर दी कि चयनित भूतपूर्व सैनिक जिस जातीय वर्ग का है उसे उस वर्ग के लिए कुल आरक्षित कोटे में गिना जाएगा।

यह सर्व विदित है कि राजस्थान में सेना में मुख्यत: जाट, गुर्जर, यादव, राजपूत, कायमखानी जातियों के लोग ही ज्यादा जाते है। ओबीसी वर्ग के जितने भूतपूर्व सैनिक चयनित हो जाते हैं उतनी भर्तियों की संख्या आरक्षित 21 प्रतिशत में से घटा कर, शेष भर्तियों पर ही आरक्षित वर्ग के युवक, युवतियों को लाभ मिलता है अर्थात यदि किसी पद की 100 भर्ती हों तो उन में से OBC की 21 वैसीकेन्सी होंगी और जाट, यादव, आदि के भूत पूर्व सैनिक में से 10 चयनित हो गए तो शेष ओबीसी युवाओं के लिए 11 ही वैकेंसी रहेंगी। इस वर्ग के नए युवाओं के लिए रिक्तियां बहुत कम हो जाती है।

निर्णय तो सारी स्थितियों को देख कर सरकार को लेना है किंतु यदि सरकार शुद्ध मन से इसका समाधान चाहती है तो इन सुझाव पर भी विचार करे:–

(1.0) आरक्षण की समस्या का सही व स्थाई समाधान तो जातीय जन गणना करवा कर SC, ST, OBC की जनसँख्यानुसार आरक्षण कर दे। 50% की आरक्षण सीमा भी समाप्त सी ही है, इसलिए कोई बाधा भी नही होनी चाहिए। कोई माने या न माने, जातीय पहचान, भारतीय समाज की वास्तविकता है।

जातीय जनगणना देश हित में होगी या लोगों का एक वर्ग इसे देश के लिए अहितकारी कह कर फिर से नए आंदोलनों की शुरुआत करेंगा,जैसा कि मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के बाद हुआ था-यह भविष्य के गर्भ में होगा।

(2.0) जिस प्रकार से SC, ST, OBC को एक अलग वर्ग मान कर कर आरक्षण दिया गया है, उसी प्रकार भूतपूर्व सैनिकों, परित्यकता महिलाओं आदि को अलग वर्ग में माने और आरक्षण क्रियान्वित करें। भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण, उनकी देश के लिए समर्पित सेवा के आधार पर दिया जाता है न कि उनका जाट, यादव, गुर्जर, राजपूत आदि जातियों के होने के कारण दिया जाता है। इसी प्रकार परित्यक्ता महिलाओं, विशेष योग्यजनों आदि को आरक्षण उनको किसी जाति विशेष का होने कारण नहीं होकर उनकी विशेष कठिनाइयों के कारण दिया जाता है।

आरक्षण की समस्या का सही व स्थाई समाधान तो जातीय जन गणना करवा कर SC, ST, OBC की जनसँख्यानुसार आरक्षण कर दे। 50% की आरक्षण सीमा भी समाप्त सी ही है, इसलिए कोई बाधा भी नही होनी चाहिए। कोई माने या न माने, जातीय पहचान, भारतीय समाज की वास्तविकता है।

(3.0) इसे कैसे-कैसे क्रियान्वित किया जा सकता है, उसे निम्न उदाहरणों से समझा जा सकता है :-

मान लें कि LDC पदों के लिए 100 रिक्तियां है। इनको वर्ग वार विभाजित करने का एक तरीका यह हो सकता है:-

(3.1) भूत पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित होंगी 12 और अन्य विशेष समूहों के लिए आरक्षित पदों को 100 में से घटाकर शेष रिक्तियों को SC, ST, OBC, GEN इत्यादि ग्रुप्स में आरक्षित कोटे के अनुसार विभाजित करें।

(3.2) यदि केवल भूतपूर्व सैनिकों तक इसे सीमित रखा जाए तो, अन्य वर्गों के लिए शेष रिक्तियां 100-12=88 को SC, ST, OBC, GEN वर्गों में आरक्षण प्रतिशत के अनुसार विभाजित करें और इनके लिए क्रमश: 13, 11, 18, 46 पद आरक्षित होंगे।

अन्य विशेष वर्गों यथा EWS, विशेष योग्य जन, परित्यक्ता महिला आदि का भी का कोटा 100 आरक्षण कोटा भी इसी प्रकार 100 में से घटा कर शेष पदों का विभाजन SC, ST, OBC, GEN में किया जा सकता है।

(3.3) रिक्तियों के विभाजन का दूसरा तरीका यह भी हो सकता है:- पहले प्रतियोगिता परीक्षा हो और फिर चयनित सूची के अनुसार जो भूतपूर्व सैनिक जिस जाती/वर्ग का हो,उतनी रिक्तियां उस वर्ग के लिए आरक्षित कुल पदों में से घटा दें। उदाहरण के लिए यदि SC, ST, OBC, GEN के क्रमश: 2, 2, 2 व 6 (कुल 12) भूत पूर्व सैनिक चयनित हो रहे हैं तो फिर अन्य SC, ST, OBC, GEN के लिए रिक्तियां हो जाएंगी--15-2=13,12-2=10, 21-6=15, 50-2=48।

अन्य वर्गों के लिए आरक्षित पदों की गणना भी उपरोक्त दोनों प्रकार की जा सकती है।

रोस्टर रजिस्टर संधारण में एक बहुत बड़ी विसंगतिया चल रही है, यह भी OBC युवकों का आरोप रहा है।

सरकारी नौकरी में भर्ती किए गए प्रत्येक कर्मचारी- अधिकारी का रोस्टर रजिस्टर में इंद्राज होता है कि उसकी भर्ती किस पद के विरुद्ध हुई अर्थात उसकी भर्ती SC, ST, OBC, EWC इत्यादि कटेग्रिज में से किस कैटेगरी में हुई है।

आरोप यह भी है कि रोस्टर रजिस्टर में आरक्षण लागू होने से पहले वाले, बिना आरक्षण का लाभ लिए चयनितों को भी ओबीसी में गिन कर ओबीसी का 21% से अधिक प्रतिनिधित्व पूर्ण दिखाकर नई भर्तियों में ओबीसी के पद कम करवाने की बात भी युवाओं के द्वारा कही जा रही है।

युवाओं का कहना है कि 21% की गणना में OBC आरक्षण लागू होने से पहले के पदों को शामिल कर गणना करना असंवैधानिक है क्योंकि उस समय जिनका चयन हुआ तो उन्हें कोई लाभ आरक्षण का नहीं मिला था और वे सामान्य कटेगरी में कम्पीट करके मेरिट से आए थे।

युवाओं के अनुसार, इस कारण कई विभागों की भर्तियों की अधिसूचनाओं में ओबीसी के 21% पद भी नही दिखाए जाते हैं। हो सकता है किसी विभाग में ऐसा इरादतन या नासमझी के कारण हुआ हो, इसलिए सरकार के लिए यह उचित होगा कि इसकी उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच व सतत समीक्षा होती रहनी चाहिए न कि केवल विभागों पर छोड़ दिया जाए।

सरकार को चाहिए कि समय रहते, बिना पूर्व धारणाओं के इस समस्या पर विचार करे। जातीय पूर्वाग्रहों से मुक्त निष्पक्ष वरिष्ठ अधिकारियों से समस्या का परीक्षण करवाए औऱ शीघ्र निर्णय ले।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

राशिफल गुरूवार 6 अक्टूबर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र सांय 7:42 तक, शूल योग रात्रि 2:20 तक, विष्टि करण प्रात: 9:41 तक, चन्द्रमा प्रात: 8:28 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रात: 9:41 तक रहेगी। आज पापाकुशा एकादशी व्रत, भरत मिलाप और पंचक प्रात: 8:28 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:53 तक, चर 10:47 से 12:15 तक, लाभ-अमृत 12:15 से 3:10 तक, शुभ 4:37 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:25, सूर्यास्त 6:05

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद-अनबन दूर होने लगेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में वार्ता सफल रहेगी। नवीन व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या

आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से और योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

अपनी कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखने का प्रयास करें।

चाय मुक्त भारत

डॉ. कैलाश सोडाणी

थोड़ा रूकिये न। चाय पीकर जाइये। ऐसी भी क्या जल्दी है। आये है तो चाय लेनी ही होगी। घर हो या बाहर, मीटिंग से पहले और मीटिंग के बाद चाय की उपस्थिति को सभी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। गरीब हो या अमीर, ग्रामीण हो या शहरी सम्पूर्ण राष्ट्र चाय के रस में डूबा हुआ है। हमारे हर समारोह की शोभा बन चुकी है। हालात यहाँ तक पहुँच गये है कि यदि आप घर आये मेहमान का चाय से स्वागत करना भूल गये है तो स्वयं मेहमान की प्रतिक्रिया होगी- अरे भाई उनके घर गये थे, चाय तक की भी नहीं पूछा।

आज तो मेरे देश में सुबह उठते ही प्रभु से पहले चाय को याद किया जाता है। चाय तो जैसे मंदिर के प्रसाद से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है। घर हो या कार्यालय, न्यायालय हो या संतों का आश्रम, कॉलेज हो या हॉस्पीटल चारों ओर जनता चाय की चुस्कियाँ लेने में व्यस्त है। फालतू आदमी को टाइम पास करने के लिए चाय चाहिये और व्यस्त व्यक्ति को रिलेक्स होने के लिए चाय की याद आती है।

समय के साथ चाय में अनेक तरह के उतार-चढ़ाव आ रहे है। मीठी चाय, फीकी चाय, मसाले वाली चाय, बिना दूध की चाय, लेमन टी, ग्रीन टी, ब्लैक टी आदि पता नहीं कितने तरह की चाय बाजार में धडल्ले से बिक रही है। आपकी चाय की पसन्द से समाज यह विभाजन कर देता है कि आप सामान्य आदमी है या बड़े व्यक्ति। प्राय: मीठी और दूध वाली चाय पीने वालों को सामान्य श्रेणी में रखा जाता है। लेमन टी, ग्रीन टी, फीकी चाय पीने वालों को थोड़ा बड़ा आदमी माना जाता है। चाय जिस क्रोकरी में प्रदान की जा रही है, उसका भी बड़ा महत्व हो गया है। चाय वही है, क्रोकरी की क्वालिटी से रेट घटती-बढ़ती है।

चाय के प्रति उमड़ते प्रेम की यह गाथा उस देश की है, जहाँ आज से मात्र 50-60 साल पहले चाय के दर्शन ही दुर्लभ थे। चाय के प्रति कोई लगाव एवं सम्मान नहीं था। मूलत: यह अंग्रेजों का ही पेय माना जाता था। वहाँ के ठण्डे वातावरण में इसकी उपयोगिता समझ में आती है। मेरे स्कूल जीवन में हम मित्र लोग कभी-कभार घर वालों से छिप कर ही रेस्टोरेन्ट में चाय पीने जाते थे। आखिर फिर ऐसा क्या घटनाक्रम हुआ कि छोटे से कालखण्ड में चाय हमारे जैसे गर्म देश में लोकप्रियता के शिखर पर पहुँच गयी है।

चाय बैंचने वाली कम्पनियों ने मार्केटिंग की अपनी अद्भूत कला से देशवासियों को चाय के रस में डूबों दिया। ब्रुक बॉण्ड टी कम्पनी ने 60-70 वर्ष पूर्व विभिन्न शहरों में मुख्य चौराहों पर अपने चाय के थैले लगाये। आने-जाने वाले लोगों को आवाज लगाकर फ्री में चाय पीने के लिए आग्रह करते थे। लोग रूकने लगे, फ्री की चाय का मजा लेने लगे। चाय पीने के बाद बेचने वाला पूछता था, चाय कैसी लगी? नि:शुल्क चाय की तारीफ करना भी पीने वाले की मजबूरी होती थी। जैसे ही आपने चाय की तारीफ की, वह 50 ग्राम चाय की पुड़िया आपको सप्रेम भेंट कर देता था और कहता था परिवार के सदस्यों को भी यह आनन्द प्रदान कीजिये। देश में चाय घर-घर तक पहुँच गयी। प्रारम्भ में नि:शुल्क चाय से हमारी आदत बनाई गयी फिर एक दिन अचानक यह नि:शुल्क स्कीम बन्द हो जाती है और हम खरीदने के लिए विवश हो गये। विवश ही नहीं गुलाम हो गये। याद रखना एक दिन यही स्थिति वाट्सअप, फेसबुक, ट्वीटर में आने वाली है। टी कम्पनियों के षड़यंत्र के

■ मेरे देश में सुबह उठते ही प्रभु से पहले चाय को याद किया जाता है। चाय मंदिर के प्रसाद से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गयी है

साथ-साथ अंग्रेजों का पेय होना हमारी गुलाम मानसिकता में प्रतिष्ठा का विषय भी था। इसलिए धीरे-धीरे हम दिन में दो-चार-पांच चाय रोब के साथ पीने लगे।

बात केवल स्वास्थ्य और पैसों की नहीं है अपितु हम सभी दिन भर में चाय के नाम पर समय कितना खराब कर रहे है। समय अमूल्य है। ईश्वर ने समय के रूप में हमें बहुत बड़ा खजाना दिया है। खजाने का उपयोग एवं दुरूपयोग स्वयं पर निर्भर है। फिर हम सभी देशवासी समय जैसे कीमती उपहार को चाय की चुस्कियों में क्यों खराब कर रहे है ? सोचना होगा, समझना होगा और समय, स्वास्थ्य और पैसों के दुरूपयोग को रोकना होगा। जिस मार्केटिंग स्ट्रेटेजी से विदेशी कम्पनियां अपना प्रोडक्ट हमें खरीदने के लिए मजबूर कर देती है वैसे ही हमें भी देश में सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसा वातावरण एवं मानसिकता बनानी होगी कि लोग स्वत: कोल्डड्रिंक की भाँति चाय से भी दूरी बनायेंगे। देश में स्वदेशी सोच एवं चिंतन की मार्केटिंग करनी होगी।

चाय के साथ-साथ आज हमें पिज्ज़ा और बर्गर से भी सावधान रहना होगा। इन्ही विदेशी कम्पनियों ने अपने मार्केटिंग के खेल से भारतीय प्रोडक्ट-कचोरी, समोसा, इडली आदि को पुरानी एवं कमजोर मानसिकता का सूचक बना दिया। महंगे पिज्ज़ा और बर्गर को सम्मान के ऊँचे पायदान पर बिठा दिया। विदेशी कम्पनियाँ तो केवल हमारी जेब से पैसा निकालने के लिए समाज में खाने-पीने के मानदण्ड बदलती रहती है। उन्हे हमारे समय और स्वास्थ्य की चिन्ता नहीं है। सचेत और सावधान तो स्वयं को रहना होगा। क्या खाना और क्या पीना है, निर्णय हमारा अपना है। कोई हमें मजबूर नहीं कर रहा है।

चाय मुक्त भारत की शुरूवाद सरकारी कार्यालय एवं समारोह से करनी चाहिये फिर विवाह आदि कार्यक्रमों में चाय की उपलब्धता बन्द करनी होगी। अन्तत: देश में एक वातावरण बनेगा और एक दिन हमारे कीमती समय, स्वास्थ्य एवं पैसे की बर्बादी रूकेगी।

डॉ. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति,
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

ओपन ग्रैण्ड मास्टर्स चैस टूर्नामैंट में भीलवाड़ा के अभिजीत सबसे आगे

बीकानेर, (कासं)। चल रहे इंटरनेशनल ओपन ग्रांड मास्टर्स चैस टूर्नामेंट में पंद्रह देशों के तीन सौ से ज्यादा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। खास बात ये है कि यहां भीलवाड़ा के अभिजीत गुप्ता अब तक सबसे आगे बने हुए हैं। तीस लाख रुपए के इस इनामी मुकाबले में अभिजीत दुनिया के टॉप प्लेयर्स को एक के बाद एक हार का स्वाद चखा रहा है। कैटेगरी ए में राजस्थान के ग्रांड मास्टर अभिजीत गुप्ता ने ईरान के तहबाज अर्श को हराकर एकल बढ़त बना ली है। इससे पहले अभिजीत ने यहां खेल रहे अन्य ग्रांड मास्टर्स को भी हराया। इस टूर्नामेंट में टॉप रेटेड अभिजीत अपने वर्ग में जीत के प्रबल दावेदार बन चुके हैं। रूस के जीएम बोरिस और जॉर्जिया के ग्रांड मास्टर पन्टसुलिआ लेमन ने ड्रा खेला। मंगोलिया के बचुलून और ओमिदी आर्या (ईरान) ने ड्रा खेला। दीपन चक्रवर्ती, आराध्या, अनुज श्रीवर्ती, राम अरविन्द, जितदिनोव (यूएसए) और कुशाग्र मोहन सभी के खेल बराबरी पर रहे।

प्रतियोगिता निदेशक एसएल हर्ष ने बताया कि कैटेगरी बी में तमिलनाडु के दिनेश कुमार ने बिहार के मोहित सोनी को हराकर एकल बढ़त बना ली। कदव ओमकार और पोटलुरी सुप्रिया के खेल ड्रा रहे। किशोर कुमार और अजय बिरवानी का खेल भी ड्रा रहा जबकि निर्गुण केवल (महाराष्ट्र) ने राजस्थान के भरत बंसल को और रमनदीप सिंह गिल ने दिल्ली के शुभम को हराया। इस आयोजन में बीकानेर के कई नन्हें खिलाड़ियों को भी खेलने का अवसर मिला है। इनमें कुछ खिलाड़ी अपना मैच जीत गए हैं। इससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फीडे रेंक मिलने की उम्मीद बन गई है। बड़े खिलाड़ियों के साथ मोहरे लड़ाने का अवसर भी मिल रहा है।

गंगाशहर के आशीर्वाद भवन में दो कैटेगरी में 157 बिसात पर 314 शातिर अपने दाव-पेच खेलते हैं। राजस्थान शतरंज संघ द्वारा बीकानेर में प्रथम अंतरराष्ट्रीय ओपन ग्रांड मास्टर्स प्रतियोगिता में आयोजन से जुड़े विनोद बाफना, बाफना अकादमी के सीइओ डॉ. पीएस वोहरा, ऋषभ सेठिया व जय सेठिया भी खिलाडियों का उत्साहवर्धन करने पहुंचे। इस आयोजन में नगर विकास न्यास के पूर्व चैयरमेन और राजस्थान शतरंज संघ के अध्यक्ष महावीर रांका ने बताया कि देश और दुनिया के इतने बड़े खिलाड़ी बीकानेर में आना शहर के लिए गौरव का विषय है।

किसान ने बेटी को किडनी देकर बचाई जान

माया देवी

चंदगीराम

कोटपूतली, (निसं)। ग्राम पूतली निवासी एक 65 वर्षिय बुजुर्ग किसान ने पुत्री के जीवन पर आये खतरे को देखकर अपनी स्वयं की जान की बाजी लगाते हुए बेटी की जान बचाई ।

ग्राम पूतली निवासी नत्थुराम गुर्जर ने बताया कि उनकी बहन माया देवी (40) का विवाह अलवर जिले की थानागाजी तहसील निवासी गाँव हींसला निवासी छुट्टन लाल गुर्जर के साथ हुआ था। ग्रामीण परिवेश के खेतीहर परिवार में रहने वाली उनकी बहन माया की दोनों किडनियां खराब हो जाने से उनके जीवन पर खतरा मंडरा रहा था। इस पर चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट की बात कही। परिवार में केवल उनके 65 वर्षिय बुजुर्ग पिता चंदगीराम की किडनी ही अपनी पुत्री से मिलान खा रही थी लेकिन पिता की ज्यादा उम्र देखते हुए चिकित्सक किडनी ट्रांसप्लांट से कतरा रहे थे किन्तू चंदगीराम ने एक कदम आगे बढते हुए अपने जीवन की परवाह ना कर अपनी एक किडनी देकर बेटी के जीवन को बचा लिया ।

जयपुर के महात्मा गाँधी अस्पताल में नैफ्रोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सूरज गोदारा के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने लगभग 8 घण्टे तक चले ऑपरेशन में सफलतापूर्वक किडनी का ट्रांसप्लांट किया। ऑपरेशन के बाद दोनों पिता-पुत्री की स्थिति सामान्य है। उनके भाई नत्थूराम ने बताया कि बहन की जान बच जाने से पूरा परिवार राहत महसूस कर रहा है।

विदेशी पर्यटक ने बनाया राक्षस का रूप

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में रावण दहन हुआ। विदेशी पर्यटक भी इस दौरान राक्षस का रूप बनाकर आया। विदेशी का यह रूप लोगों में रहा चर्चा का विषय रहा। पुष्कर में बांगड़ स्कूल के पास छोटी बस्ती की ओर से श्री ब्रह्म पुष्कर सेवा संघ की ओर से रावण दहन किया गया। बड़ी बस्ती में मेला मैदान में रावण दहन किया गया। इस दौरान पुष्कर के विधायक सुरेश सिंह रावत, पुष्कर नगरपालिका के अध्यक्ष कमल पाठक, उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि व पार्षद मौजूद रहे। रावण दहन देखने के लिए सैकड़ों की तादात में विदेशी पर्यटक भी मौजूद रहे।

■ पुष्कर में दशहरा मेले में रावण दहन हुआ

हिन्दी साहित्य के निर्माता-जन्म शताब्दी पर विशेष

कालजयी रचनाकार-डॉ. रांगेय राघव

यादराम सिंह यादव

हिन्दी साहित्य के महान पुरोधा डॉ. रांगेय राघव (पूरा नाम तिरूमलै नम्बाकम वीर राघव-आचार्य) का जन्म 17 जनवरी 1923 को पिता रंगाचार्य एवं माता कनकवल्ली के घर, बाग मुजफ्फर, आगरा (उत्तरप्रदेश) में हुआ था। इस वर्ष उनकी जन्मशताब्दी मनायी जा रही है। रांगेय राघव के माता-पिता दोनों तमिल, फारसी व संस्कृत के विद्वान थे। पिता अंग्रेजों के विरुद्ध क्रान्तीकारी विचारों के प्रचार -प्रसार एवं गतिविधियाँ करने पर बारह वर्ष के लिए देश निकाला दिया था। तब वह आगरा में जाकर रहने लगे।

पिता रंगाचार्य संस्कृत के उद्‌भट विद्वान होने से तत्कालीन जयपुर नरेश द्वारा स्थापित वैर के सीताराम मंदिर का पुरोहित बनाया था। उन्होंने 1944 में हिन्दी से एम.ए. किया था। लगभग 18 वर्ष की आयु में स्नातक अध्ययन के दौरान ही उन्होंने अपना पहला उपन्यास 'घरौंदा' लिखा, जो 1946 में प्रकाशित हुआ, जो बाद में चर्चित एवं लोकप्रिय हुआ। स्नातकोत्तर की डिग्री के बाद उन्होंने 'गोरखनाथ और उनका युग' विषय पर 1949 में डाक्टरेट की उपाधि मिली थी। घरौंदा के प्रकाशन के बाद वह समर्पित भाव से निरन्तर लिखते रहे। उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपने को कम अवधि में ही प्रतिष्ठित कर लिया और उपन्यास, कहानी, आत्मकथा, संस्मरण, काव्य, नाटक, आलोचना, चिन्तर एवं दर्शन के अलावा अनुवाद के क्षेत्र में डेढ सौ से अधिक कृतियाँ लिखी।

सन् 1943-44 में बंगाल के अकाल और ग्वालियर के गोलीकांड पर आपने रिपोर्ताज लिखे एवं अकाल तथा महामारी की तबाही पर 'तूफानों के बीच' उपन्यास लिखा जिसे खूब प्रसिद्धि मिली। इन्होंने 'निर्माण' नामक पत्रिका का भी सम्पादन किया, जिसमें विचारोत्तक तथा क्रान्तीकारी लेख छापते थे। डॉ. राघव की प्रतिभा बहुमुखी थी। केवल 39 वर्ष की आयु में ही आपने सैंकडों ग्रन्थ रच डाले थे। वह प्रगतिशील-जनवादी विचारधारा के सशक्त लेखक थे। सम्पन्न परिवार में जन्म लेकर भी लेखन ही उनकी जीविका का मुख्य साधन बना रहा। वह वर्तमान में जीने पर विश्वास करते थे। 7 मई, 1956 को सुलोचना आयंगार से विवाह किया। एक पुत्री सीमंतिनी का 1960 में जन्म हुआ। अधिकांश जीवन आगरा, वैर व जयपुर में व्यतीत किया था।

डॉ. रांगेय राघव मानवता के एक सशक्त चितेरे थे वे हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, ब्रज तथा तमिल के विद्वान होने के साथ सिद्धहस्त चित्रकार भी थे। आपने संस्कृत भाषा में मृच्छकटिका एवं मुद्राराक्षस जैसे नाटकों का हिन्दी में सफल अनुवाद किया था। अंग्रेजी भाषा के सेक्सपीयर के नाटक गाल्जवर्दी, शैले, कीटस, गेट आदि जर्मन व फ्रांसीसी महान कवि व लेखकों के काव्य एवं प्रमुख कहानीकारों की कथाओं का हिन्दी में अनुवाद किया था। 'गदल' इनकी सिरमौर कहानी है, जिसकी बेबाकी, मजबूती और कर्मठता में 'गदल' जैसी अन्य स्त्री नजर नहीं आती। विविध सामाजिक समस्याओं का चित्रण आपकी कहानियों की मुख्य विशेषता रही है।

आपके 'मेघावी' नामक प्रथम काव्य को हिन्दुस्तानी अकादमी प्रयाग, अधूरा किला 'कब तक पुकारूं' को उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा 'मेरी प्रिय कहानियां' को राजस्थान साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया था। महात्मा गांधी पुरस्कार 1966 में 'मरणोपरान्त' प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने देश को, हिन्दी की महान सृजनशीलता के दर्शन कराये। रिपोर्ताज लेखन, जीवन चरितात्मक उपन्यास और महामाया-गाथा 'दो खण्डों में' की नयी परम्परा डाली।

डॉ. रांगेय राघव को हिन्दी साहित्य का सेक्सपीयर माना जाता है जबकि मूलत: तमिल थे। उनके अधिकतर ऐतिहासिक उपन्यास उन चरित्रों से जुड़ी हुयी महापुरूषों, भगवानों व महिलाओं के नाम पर लिखे गये हैं। जैसे भारती का सपूत-भारतेंदु हरिशचन्द्र की जीवन पर आधारित 'लखिया की आंखे'-कवि विद्यापति के जीवन पर, रत्ना की बात-तुलसी के जीवन पर, देवकी का बेटा-कृष्ण के जीवन पर आधारित है।

उन्होंने सेक्सपीयर के सभी 10 नाटकों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद किया था, जो मूल रचना सरीखे थे। उन्होंने कहानी, कविता, आलोचना, नाटक, संस्मरण, यात्रा वृतान्त के अलावा सभ्यता व संस्कृति, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, अनुवाद, चित्रकारी शोध और व्याख्या के क्षेत्र में 150 से अधिक पुस्तकें-रचनाऐं लिखी।

सहयोगी उपन्यासों में 'बारह खम्भा' और 'ग्यारह सपनों का देश' के साझे लेखक रहे। उनकी 'प्रमुख कहानियों में देवदासी, तूफानों के बीच, अय्यास मुर्दे, अंगारे ना बुझे, इन्सान पैदा हुआ, साम्राज्य का वैभव, समुद्र के फैन, पांच गधे, मेरी प्रिय कहानिया आदि कहानी संग्रह प्रमुख हैं।

'आलोचनात्मक ग्रन्थों' में 'गोरखनाथ एवं उनका युग' आधुनिक हिन्दी कविता में प्रेम और श्रृंगार, भारतीय पुनर्जागरण की भूमिका प्रमुख ग्रंथ हैं।

उनके रचित उपन्यासों में 'कब तक पुकारूं' तथा 'मुर्दों का टीला' पर टी.वी. धारावाहिक बनाये जाकर प्रसारित हो चुके हैं। 'कब तक पुकारूं' उपन्यास के प्रमुख पात्र वैर गांव के करनट 'नट' सुखराम को भारतीय साहित्य की 'कालजयी कृति का अमर पात्र' बना दिया। सुखराम और 'पथ का पाप' के किशनलाल जैसे पात्रों की गंध आज भी उनके गांव की माटी में रची बसी है। अनुवाद विधा में उनकी सिद्धहस्तता की प्रशंसा उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली डा. राधा कृष्णन ने की थी, क्योंकि उनकी इच्छानुकूल ही डॉ. राघव ने 'मेघदूत' का अंग्रेजी में भी सचित्र अनुवाद किया था। उनके रेखाचित्र उनके द्वारा अनुदित ग्रंथों, ऋतु संहार, कुमारसंभव और भामिनी विलास में देखे जा सकते हैं। इस कलम के जादूगर की 12 सितम्बर 1962 को कैन्सर से बम्बई में निधन हो गया।

फैजाबाद में उनकी पुण्य स्मृति में एक अकादमी की स्थापना की गयी। आगरा के 'बाग मुजफ्फर' में जहां वे रहते थे, उस क्षेत्र की सड़क का नाम रांगेय राघव रोड़ रखा गया है। राजस्थान साहित्य अकादमी भी उनके नाम से एक वरिष्ठ साहित्यकार को प्रतिवर्ष 'डॉ. रांगेय-राघव पुरस्कार' प्रदान करती है। ऐसे अमर साहित्यकार की जन्मशताब्दी पर निम्न पंक्तियां उनके सम्मान में स्पंदित होती हैं-

तूफानों की रगों पर, थीं बिजलियां चमकती,
मांझी सम्हाल डांडे, बोला जरा ठहर लो।
है कुछ दिनों की गर्दिश, धोखा नहीं है लेकिन,
जो आंधियों ने फिर से, अपना जुनून उभारा।।

यादराम सिंह यादव,
वरिष्ठ लेखक एवं साहित्यकार

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

मैं आपको राजस्थान में मौजूद अपार संभावनाओं का लाभ उठाने और हमारे साथ मिलकर एक समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

संभावनाओं से भरपूर राजस्थान की धरती आपके स्वागत के लिए तैयार है

संभावनाओं से भरे राजस्थान में आयोजित इन्वेस्ट राजस्थान समिट में पधार रहे सभी निवेशकों और प्रतिष्ठित प्रतिभागियों का जयपुर में स्वागत है।

निवेश प्रस्तावों को बड़े स्तर पर धरातल पर उतारने की दिशा में इन्वेस्ट राजस्थान समिट एक महत्त्वपूर्ण आयोजन साबित होगा।

आइये इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें और विभिन्न सेक्टर्स में फायदेमंद निवेश की अपार संभावनाओं को तराशें।

Invest Rajasthan

7-8 Oct 2022 • JAIPUR

Committed. Delivered.

इन्वेस्टर आउटरीच कार्यक्रम के परिणामस्वरूप
रु. 10.44 लाख करोड़
के निवेश प्रस्ताव हस्ताक्षरित

40% निवेश प्रस्ताव
धरातल पर/प्रक्रियाधीन

इन्वेस्ट राजस्थान समिट में
परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

राज्य में रोज़गार सृजन

2.10 लाख से अधिक
धरातल पर/प्रक्रियाधीन निवेश प्रस्तावों से

9.5 लाख से अधिक
इन्वेस्ट राजस्थान के सभी निवेश प्रस्तावों से

राजस्थान संवाद

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग,
राजस्थान सरकार

invest.rajasthan.gov.in

Confederation of Indian Industry

कोटा थर्मल पावर प्लांट

50 लाख रूपए की फिरौती के लिए सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण

बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था : एसपी

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। सीकर से नौ साल के बच्चे का अपहरण 50 लाख रूपए की फिरौती मांगने के प्लान पर ग्रामीणों ने पानी फेर दिया । ग्रामीणों को शक होने पर उन्होंने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बदमाशों के चंगुल से बच्चे को मुक्त कराया ।

यह जानकारी खुद बच्चे ने झुंझुनूं के भाटीवाड के ग्रामीणों को दी । जी, हां बच्चे को दस्तयाब करने के ऑपरेशन में शामिल ग्रामीण सुरेंद्र महला भाटीवाड ने बताया कि जब बच्चा उन्हें मिला और ग्रामीणों ने बच्चे की बात परिजनों से करवाई। इसके बाद बच्चे ने ग्रामीणों को बताया कि जो दो बदमाश थे। वो उसे बार-बार कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए बोल रहे थे। यही नहीं वो बोल रहे थे कि वे उसके परिजनों के पास से 50 लाख रूपए लेकर उसे छोड़ देंगे। हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन ग्रामीणों ने बच्चे से हुई बातचीत के मुताबिक यह जानकारी मीडिया के साथ साझा की ।

इस ऑपरेशन में शामिल अनिल शर्मा ने बताया कि भाटीवाड गांव में संदिग्ध बोलेरो गाडी शाम को घुम रही थी। एक दुकान से बोलेरो में सवार युवक ने कोल्ड ड्रिंक और बिस्किट भी लिया और फिर छावसरी गांव की तरफ चली गई। गांव के लोगों को शक हुआ तो गाडी का पीछा किया गया। ग्रामीणों को पीछे आते देख बदमाश गाडी और बच्चे को छोडकर भाग गए। जब ग्रामीण पहुंचे तो बच्चा हेल्प मी... हेल्प मी.... की आवाज दे रहा था। ग्रामीण मनोज महला ने बताया कि गांव के अंदर जब गाडी चक्कर लगा रही थी। उसी दरमियान गांव के एक व्यक्ति ने बोलेरो गाडी में एक बच्चा भी देखा। यह गाडी बार-बार चक्कर लगा रही थी तभी शक के घेरे में आ गई। वहीं जब एक दूसरे ग्रामीण ने गांव के लोगों को बताया कि बोलेरो में एक बच्चा भी है। तो ग्रामीणों को इस गाडी पर पूरा शक हो गया और गांव के लोगों ने छावसरी की तरफ गाडी को ढूंढा। वहीं ग्रामीणों की एक टीम नदी क्षेत्र में चली गई। ग्रामीणों को आते देख बदमाश भाग गए।

ग्रामीणों ने बताया कि भाटीवाड गांव के लोगों ने करीब दो से तीन घंटे तक शाम को नदी क्षेत्र में सर्च किया। नदी क्षेत्र वीरान और वहां बड़े -बड़े कूंचे थे। ऐसे में सर्च कर पाना मुश्किल था। फिर भी ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार बच्चे तक पहुंच ही गए। ग्रामीणों ने बताया कि जब ग्रामीण बोलेरो की ओर आगे बढ रहे थे तो बदमाशों ने ग्रामीणों को डराने के लिए हथियार होने का संकेत दिया। दोनों आपस में बतिया रहे थे कि हथियार निकालो... हथियार निकालो....। इसलिए ग्रामीण एक बार घबरा गए इसी का फायदा उठाकर बदमाश भाग गए। गाडी और बच्चा छोड गए। यह जानकारी यूथ कांग्रेस अध्यक्ष सुधींद्र मूंड के पास भी पहुंची। जिन्होंने फोन कर अपनी टीम को सर्च में लगाया और सभी को कहा कि 4 अक्टूबर को उनकी बेटी का जन्मदिन है। वे जब तक बच्चा सकुशल नहीं मिल जाता है तब तक अपनी बेटी के जन्मदिन का केक नहीं काटेंगे।

झुंझुनूं के भाटीवाड़ा ग्राम के ग्रामीण जिन्होंने बच्चे को रेस्क्यू कर छुड़ाया।

- शक होने पर ग्रामीणों ने बदमाशों की गाड़ी का पीछा किया और बच्चे को मुक्त कराया

'ग्रामीणों को देंगे प्रशंसा पत्र':- बच्चे को दस्तयाब करने के बाद सीकर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीकर एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा कि बिना ग्रामीणों के सहयोग से इस ऑपरेशन को कामयाब करना मुश्किल था। यही नहीं, जहां-जहां जिस-जिस गांव का इनपुट मिला। उसी गांव के लोगों ने पुलिस का सहयोग किया। उन्होंने कहा कि भाटीवाड और खींवासर के जिन लोगों ने इस ऑपरेशन में सहयोग किया है। उन्हें वे अपने हस्ताक्षरों से प्रशंसा पत्र देंगे। सीकर एसपी ने झुंझुनूं एसपी मृदुल कच्छावा के त्वरित एक्शन के साथ किए गए सहयोग की भी जमकर तारिफ की।

ग्रामीणों ने असामाजिक तत्वों को पकड़कर पुलिस को सौंपा

पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे बदमाशों की सात बाइक ग्रामीणों ने पुलिस को दी

सारंगपुरा गांव के ग्रामीणों ने बदमाशों की बाइकों को पुलिस को सुपुर्द किया।

कानोड़, (निसं)। ग्राम पंचायत सारंगपुरा के सीड़ गांव में बुधवार रात को खेल मैदान पर कुछ लोगों के बैठे होने की सूचना ग्रामीणों की मिली तो काफी संख्या में ग्रामीण खेल मैदान पहुंच गए, तो वहां बैठे लोग ग्रामीणों को देखकर भागने लगे जिसमें से पांच लोगों को ग्रामीणों ने दबोच लिया बाकी मौके से भाग निकले।

ग्रामीणों ने पकड़े गए युवकों से की गई पूछताछ में बार-बार बयान बदलने की वजह से ग्रामीणों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दी। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद तीन पुलिसकर्मी रात करीब 1:30 बजे मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने 5 युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा । वही प्रात: काफी संख्या में ग्रामीण पुलिस थाने पहुंचे और पकड़े गए युवकों सहित मौका पाकर भागे लोगों की 07 बाइक पुलिस के हवाले किया। जिसमें से कुछ वाहनों के नंबर तक नहीं थे।

स्थानीय सरपंच प्रकाश मीणा सहित ग्रामीणों ने पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर लगातार चोरियों की वारदातें इन्हीं लोगों द्वारा करने का संदेश जताया और कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण किशन लाल पिता नारायण लाल मीणा ने कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस थाने में दिए गए पत्र में बताया कि बीते लंबे समय से असामाजिक तत्वों ने गांव में आतंक मचा रखा है । असामाजिक तत्व बीती रात को खेल मैदान में मीटिंग कर रहे थे गांव वालों को पता चला फिर गांव वाले खेल मैदान पहुंचे जहां मौजूद भूरा लाल पिता नाना लाल मीणा, रतनलाल पिता तुलसीराम मीणा निवासी आंबाकुआं मौके पर अपनी बाइक छोड़कर भाग गए ।

प्रार्थी ने आरोप लगाया कि हमारे गांव में मंदिर नारसिंह माता के दानपात्र को करीब 1 माह पूर्व तोड़ा गया आए दिन लोग हमारे गांव में चोरियां कर रहे हैं।

अफीम का दूध बरामद, अध्यापक सहित दो गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। डीएसटी एवं चितलवाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही में18 किलो, 995 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया है। तथा आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से अर्जित 11,98,000/- रूपये की नकद राशि जब्त की है। बरामद उक्त अफीम की बाजार किमत पच्चीस लाख रुपये आंकी गई है।

जालोर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला के निर्देशानुसार गठित पुलिस टीमों ने निरन्तर प्रभावी गश्त, नाकाबंदी एवं तकनीकी के आधार पर एनएच 68 सरहद चारणीम से श्रवण कुमार (38) पुत्र रुगनाथराम, जाति विश्नोई, निवासी रतनपुरा, पुलिस थाना चितलवाना एवं कैलाशचन्द्र (34) पुत्र हरीशचन्द्र, जाति विश्नोई निवासी सेवाड़ा, पुलिस थाना करडा हाल अध्यापक, राजकीय प्राथमिक विद्यालय मलार नाडी, सेवाड़ा पुलिस थाना करडा को दस्तयाब कर बड़ी कार्यवाही करते हुए मुलजिमानों से कब्जे से कुल 18 किलो 995 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध तथा अवैध मादक पदार्थ खरीद फरोख्त से अर्जित कुल 11,98,000 रुपये (ग्यारह लाख अठानवे हजार) रूपये की नकद राशि बरामद की ।

चितलवाना पुलिस ने अवैध अफीम का दूध बरामद कर अध्यापक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मुलजिमानों से मादक पदार्थ परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रेटा कार को जब्त किया जाकर मुलजिमानों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त गण द्वारा भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ अफीम का दूध अपने कब्जे में रखकर परिवहन करने के जुर्म में प्रकरण दर्ज किया गया। मुलजिमानों से अवैध मादक पदार्थ अफीम के दूध की खरीद-फरोख्त के सम्बध में अनुसंधान जारी है।

बीसलपुर से बनास नदी में पानी की निकासी बंद

टोंक, (निसं)। प्रदेश के प्रमुख बांध बीसलपुर बांध से बनास नदी में पानी की निकासी बंद कर दी गई है। गौरतलब होगा कि 26 अगस्त को बीसलपुर बांध के पूरे भराव की क्षमता 315.50 आरएलमीटर पार करने के बाद बीसलपुर बांध के दो गेट खोलकर पानी की निकासी शुरु की गई और उसके बाद चार गेट खोले गए थे। बाद में पानी आवक होने के साथ ही दो गेट व एक गेट को खोलकर पानी की निकासी की जा रही थी।

बीसलपुर बांध से 40 दिनों तक बनास नदी में 10.5 टीएमसी पानी की निकासी की गई। वर्तमान में बीसलपुर बांध का जल स्तर 315.50 आरएलमीटर स्थिर है।

भारतीय सनातन संस्कृति के महान पर्व एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्थापना दिवस विजयादशमी उत्सव बुधवार को मनाया गया। इस मौके पर शहर में शौर्य, साहस, शक्ति एवं समभाव प्रदर्शित करती पंक्तिबद्ध स्वयंसेवकों का पथ संचलन किया । नगरवासियों द्वारा चौराहों पर रंगोलियां व पुष्प वर्षा कर जगह जगह स्वागत किया गया। संघ के विभाग प्रचार प्रमुख महेंद्र विजय ने बताया कि मदरलैण्ड स्कूल में विजयादशमी उत्सव पर नगर संघ चालक दिनेश बुन्देल तथा प्रान्त सह बौद्धिक शिक्षण प्रमुख दिनेश मणिरत्नम ने शस्त्र पूजन किया।

सवाई माधोपुर-मथुरा सवारी गाड़ी पुन: स्पेशल के रूप में बहाल

कोटा, (निसं)। सवाई माधोपुर-मथुरा-सवाई माधोपुर के मध्य प्रतिदिन चलने वाली सवारी गाड़ी की सेवा पुन: बहाल कर दी गई है । सवाई माधोपुर और मथुरा के मध्य पूर्व में चलने वाली सवारी गाड़ी संख्या 54794/54793 को 'गाड़ी संख्या 04794 मथुरा से सवाई माधोपुर स्पेशल को दिनांक 07 अक्टूबर' से एवं 'गाड़ी संख्या 04793 सवाई माधोपुर से मथुरा को दिनांक 08 अक्टूबर' से स्पेशल गाड़ी के रूप में पुन: बहाल कर दिया गया है।

मथुरा से सवाई माधोपुर की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04794 प्रतिदिन दोपहर दो बजे मथुरा से प्रस्थान कर मुड़ेसी रामपुर दोपहर 02.09 बजे, चूरामन नगरी दोपहर 02.14 बजे, जैजनपट्टी दोपहर 02.22 बजे, रानीकुंड रारह दोपहर 02.28 बजे, धारूरमुई जाघना दोपहर 02.36 बजे, भरतपुर दोपहर 02.45 बजे, सेवार दोपहर 02.59 बजे, जैचोली दोपहर 03.06 बजे, पिन्गोरा दोपहर 03.13 बजे, दोपहर 03.24 बजे, सालाबाद दोपहर 03.31 बजे, बयाना दोपहर 03.46 बजे, डुमरिया दोपहर 03.59 बजे, फतेह सिंघपुरा शाम 04.09 बजे, धिन्डोरा हुक्मीखेरा शाम 04.16 बजे, हिण्डौन सिटी शाम 04.25 बजे, सिकरोड़ा मीना शाम 04.36 बजे, श्री महावीर जी शाम 04.44 बजे, खंदिप शाम 04.52 बजे, पिलिओदा शाम 04.59 बजे, छोटी ओदई शाम 05.09 बजे, गंगापुर सिटी शाम 05.35 बजे, लालपुर उमरी शाम 05.49 बजे, नारायणपुर तत्वार शाम 05.59 बजे, नोमोडा शाम 06.09 बजे, मलारना शाम 06.18 बजे, मोखोली शाम 06.34 बजे, रणथम्भौर शाम 06.44 बजे आगमन होकर सवाई माधोपुर शाम 07.35 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में सवाई माधोपुर से मथुरा की ओर जाने वाली स्पेशल गाड़ी संख्या 04793 प्रतिदिन सुबह 05.45 बजे सवाई माधोपुर से प्रस्थान कर रणथम्भौर 05.54 बजे, मोखोली 06.04 बजे, मलारना 06.15 बजे, नोमोड़ा 06.24 बजे, नारायणपुर तत्वार 06.34 बजे, लालपुर उमरी 06.44 बजे, गंगापुर सिटी 07.00 बजे, छोटी ओदई 07.17 बजे, पिलिओदा 07.26 बजे, खंदिप 07.34 बजे, श्री महावीर जी 07.44 बजे, सिकरोड़ा मीना 07.51 बजे, हिण्डौन सिटी 07.58 बजे, धिन्डोरा हुक्मिखेरा 08.08 बजे, फतेह सिंघपुरा 08.15 बजे, डुमरिया 08.29 बजे, बयाना 08.40, सालाबाद 08.53, केला देवी 08.59 बजे, पिन्गोरा 09.09 बजे, जैचोली 09.17 बजे, सेवार 09.29 बजे, भरतपुर 09.45 बजे, धारूरमुई जाघना 09.59 बजे, रानीकुंड रारह 10.06 बजे, जैजनपट्टी 10.14 बजे, चूरामन नगरी 10.21 बजे, मुड़ेसी रामपुर 10.49 बजे आगमन होकर मथुरा 11.35 बजे पहुंचेगी। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/ जनसम्पर्क अधिकारी-कोटा रोहित मालवीय द्वारा बताया कि यह निर्णय यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस संबंध में सर्व संबधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि ऊक्त ट्रेन की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, पूछताछ नं 139 एवं ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करे।

महिला की मौत प्रकरण में पति गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर जिले के भोजासर हलके में महिला की संदिग्ध मौत पर पुलिस ने जांच कर उसके पति को गिरफ्तार किया है। आज उससे पूछताछ की गई। महिला की हत्या उसके पति ने मनमुटाव के चलते की थी। वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी पति ने अपने दोस्त का सहयोग लिया था। आरोपी पति गिरफ्तार किया गया है। जबकि दोस्त की तलाश की जा रही है। आरोपी स्कूल में अध्यापक है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक अनिल कयाल ने बताया कि 20 सितंबर को कृष्णनगर चाडी भोजासर निवासी धीरज पुत्री नैनूराम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मामले में मृतक के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री धीरज की शादी श्रवण कुमार विश्नोई निवासी मानेवडा के साथ की हुई थी। 18-19 सितंबर की रात में श्रवण कुमार ने अपने दोस्तों सुरेश एवं सादुल सिंह के साथ मिलकर हत्या कर साक्ष्य नष्ट करनें के नीयत से पानी में रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया।

पुलिस अधीक्षक कयाल ने बताया कि उक्त वारदात की गम्भीरता को देखते पुलिस की टीम ओसियां वृताधिकारी नूर मोहम्मद के साथ गठित की गई। घटनाक्रम में अनुसंधान किया गया तो पता लगा कि अभियुक्त श्रवणकुमार व उनकी पत्नी धीरज के बीच में शादी के कुछ समय बाद से ही आपसी मनमुटाव एवं तकरार रहने के कारण पूर्व में भी अपनी पत्नी को मारनें का प्रयास किया था। 18-19. सितंबर की रात में श्रवण कुमार द्वारा अपनी पत्नी धीरज को जान से मारनें के उदेश्य से अपने परिचित दोस्त चंपासर निवासी सादुल राजपूत के साथ मिलकर अपनी पत्नी धीरज को घर से बाहर बुलाकर मुंह व नाक पर कपडा ठूंस दिया। मृतका के दांत जुड जानें पर श्रवण कुमार व सादुल सिंह द्वारा रहवासी घर के आगे बने टांके में डाल दिया गया। बाद में आरोपी श्रवण कुमार द्वारा नोखा एवं सादूल सिंह द्वारा गुजरात भाग जाना पाया गया। सादूल सिंह को पुलिस ने दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले बारिश में भीगे

बारिश में भीगते हुए रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले।

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर दशहरे के दिन बुधवार शाम को अचानक मौसम बिगडने के साथ ही बारिश का दौर शुरु हो गया। शाम को 4 बजे बाद मौसम परिवर्तन होने लगा और बादल छाने के साथ घटाएं आना शुरु हो गई और शाम 5 बजे बाद से बारिश का दौर शुरु हो गया। अचानक बारिश का दौर शुरु होने से टोंक शहर में दशहरा महोत्सव के तहत स्टेडियम के पास हॉट बाजार में खडे रावण दहन के लिए खडे रावण, कुंभकरण एवं मेघनाथ के पुतले भीग गए।

बारिश के चलते गांधी खेल मैदान टोंक में आयोजित दशहरा महोत्सव के तहत खडा 51 फूट का पुतला भीग गया और दशहरे के दिन रावण दहन को बारिश के चलते रावण दहन कार्यक्रम में अग्नि संस्कार की जगह जल संस्कार का नजारा देखने को मिला। जिसके चलते आयोजक एवं रावण के पुतला दहन कार्यक्रम में लगे शोरगर आतिशबाजी के पटाखों की सुरक्षा करते हुए नजर आए। इधर बारिश के बावजूद भी चारभुजा नाथ व्यायाम शाला के पट्टे दिखाने वाले हर हर बंम के नारे लगाते हुए मुख्य बाजार से होते हुए मंशापूर्ण भूश्तेवर महादेव मन्दिर पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक आयोजक रावण की दहन की व्यवस्था में जुटे थे।

छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के नेगाला गांव में 12 कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर में चुन्नी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय मृतका की मां और भाई दुकान पर गए हुए थे। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मृतका की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चौरासी पुलिस ने बताया कि नेगाला निवासी लीला ने रिपोर्ट में बताया कि उसके पति की कई साल पहले मौत हो चुकी है । कल सुबह लीला और उसका बेटा दोनों दुकान पर चले गए थे। घर पर उसकी 18 वर्षीय बेटी वसुंधरा अकेली थी। दोपहर को लीला भोजन बनाने के लिए वापस अपने घर पहुंची, लेकिन घर का दरवाजा बंद था। काफी देर तक दरवाजा खट-खटाया और आवाज भी लगाई, लेकिन वसुंधरा ने दरवाजा नहीं खोला।

लीला ने मामले की जानकारी अपने पडोसियों दी। जिस पर पडौसी लीला के घर पहुंचे। इस दौरान पडौसियों ने घर की छत के केलू हटवा और छत के रास्ते से घर के अन्दर घुसे। अंदर घुसने पर देखा तो वसुंधरा घर में ही पाट पर चुन्नी का फंदा लगाकर लटकी हुई थी। इस पर लोगो ने वसुंधरा को नीचे उतारा और डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर आये। जहा पर डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आत्महत्या के मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

जालोर में बजरी माफिया लीज पूरी होने के बाद भी वसूल रहा रॉयल्टी

दो माह पहले ही जालोर तहसील का रॉयल्टी का ठेका पूरा होने के बाद भी हो रही अवैध वसूली

जालोर, (कासं)। जिला मुख्यालय सहित आस-पास के क्षेत्रों में बजरी माफियाओं द्वारा अवैध रॉयल्टी वसूलन कर भी रसीद नहीं दी जारी है। लीज का समय पूरा होने के बावजूद भी बजरी माफिया नाका पर बैठे हैं। इसको लेकर बुधवार को बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में बताया कि एसोसिएशन के सदस्य लंबे समय से शहर में बजरी और गिट्टी की सप्लाई का काम कर रहे हैं । साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले खुद रात को नदी में अवैध खनन कर यार्ड को भरते हैं और सुबह अवैध रॉयल्टी रवन्ना देते है। साथ ही उन्होंने बताया कि दो माह पहले ही जालोर तहसील का बजरी खनन रॉयल्टी का ठेका पूरा हो चुका है, फिर भी रॉयल्टी वाले लिए गए पैसे की रसीद भी नहीं देते और न ही इन पैसों की कहीं एंट्री की जाती है।

बजरी और गिट्टी एसोसिएशन ने जिला कलैक्टर निशांत जैन को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की।

साथ ही उन्होंने बताया कि रॉयल्टी वाले माइनिंग विभाग से मिलीभगत कर रॉयल्टी से मंगाई गई बजरी के ट्रैक्टर को जबरन और अवैध तरीके से पकडकर थाने में खड़ा करवा देते हैं और माइनिंग विभाग वाले ऑफिस में बैठे-बैठे सुपर्दगीनामा बना देते हैं, इसकी हमें आरटीआई और रिपोर्ट भी नहीं दी जाती। इतना ही नहीं रॉयल्टी वाले रात के समय नदी के पास वाले बेरों पर आकर लोगों को धमकाते हैं और जान से मारने की धमकी भी देते हैं जिससे यहां के लोगों में भय व्याप्त है।

एसोसिएशन ने रॉयल्टी से डंपर भरकर लाई गई बजरी को ट्रैक्टर से डालने के लिए परमिट देने की भी मांग की। साथ ही उन्होंने नियमानुसर रॉयल्टी देने पर भी सहमति जताई। साथ ही उन्होंने अवैध वसूली करने वाले रॉयल्टी ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की भी मांग की है।

विजयादशमी पर जयपुर में 28 स्थानों से निकले पथ संचलन, हुआ शस्त्र पूजन

जयपुर। विजयादशमी के अवसर पर बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से जयपुर महानगर में 28 स्थानों पर 29 पथ संचलन निकले और शस्त्रपूजन के कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने दंड, नियुद्ध, योग और सूर्यनमस्कार किए। शस्त्र पूजन के बाद घोष के साथ सैंकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला। नगरवासियों ने स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत किया गया। न्यू सांगानेर रोड के वीटी चौराहे और रोड नंबर 5 सीकर रोड पर द्विधारा संगम हुआ। यहा दो दिशाओं से आरहे संचलन का संगम हुआ तो नयनाभिराम दृश्य देख लोग अभिभूत हो गए।

- डॉ हेडगेवार ने संघ की स्थापना समाज को शक्तिशाली बनाने के लिए की : स्वांत रंजन

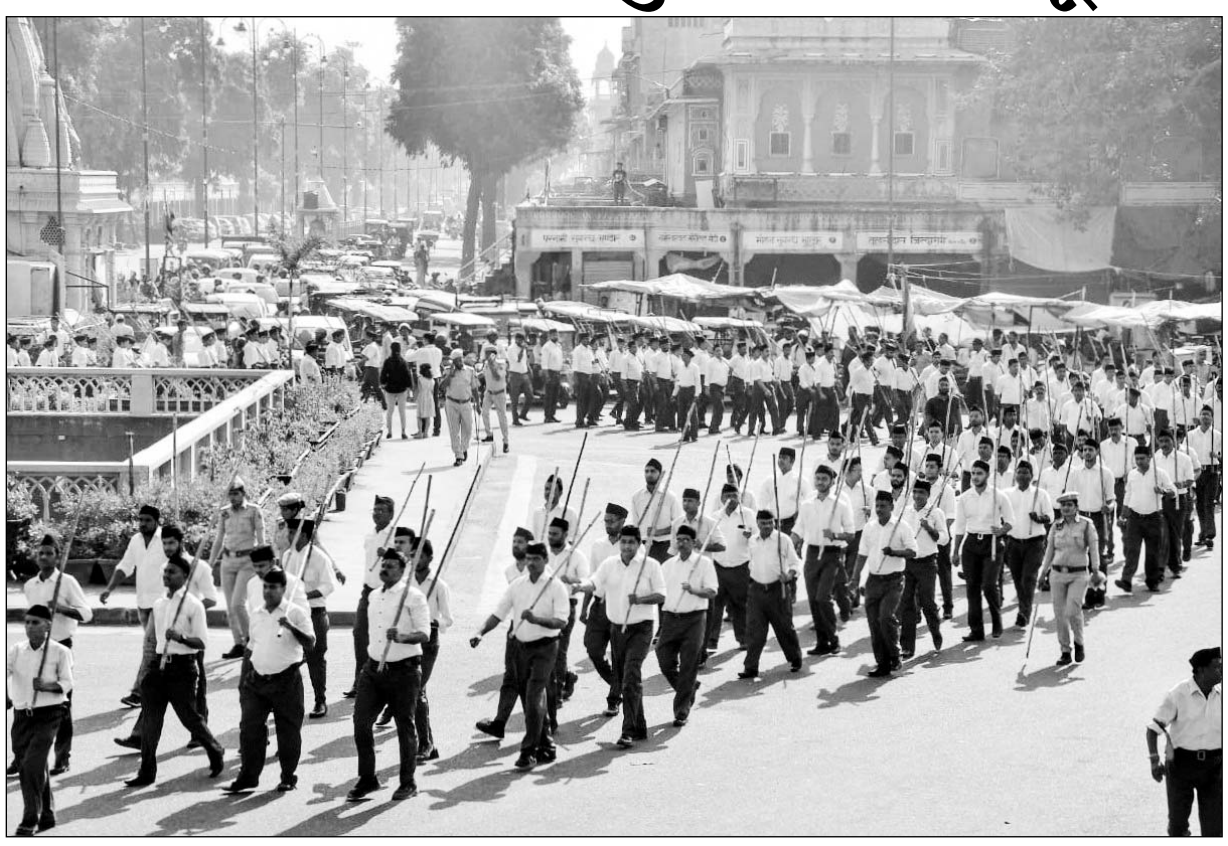

आरएएस ने विजया दशमी के अवसर पर जयपुर में शस्त्र पूजा के बाद पथ संचलन निकाला।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख स्वांत रंजन ने विजयनगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि विजयादशमी शक्ति की उपासना का दिन है। प्रतीक के रूप में शस्त्र पूजन करते हैं। तीन प्रकार की शक्ति होती है। संगठित शक्ति, धन की शक्ति, ज्ञान की शक्ति, जिसके पास ज्ञान है, वही शक्तिशाली है। विवेकशील व्यक्ति ही इन शक्तियों का सही उपयोग कर सकता है। डॉ हेडगेवार ने संघ की स्थापना समाज को शक्तिशाली बनाने के लिए की।

राजस्थान के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने तेजाजी नगर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि संपूर्ण भारत से विश्व के अंदर धर्म की विजय और शक्ति का एक संदेश देने वाला आज का ये दिन हैं। परंपरा से अपने देश के अंदर विजयादशमी को हम सभी शस्त्र पूजन करते हैं। सौभाग्य से अपने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का काम विजय दशमी के दिन प्रारंभ हुआ। संघ आज सत्तानवे वर्ष का हो गया।

जयपुर के पॉन्ड्रिक नगर में आयोजित कार्यक्रम को क्षेत्र कार्यवाह जसवंतसिंह ने संबोधित किया। उन्होंने बताया कि संघ के स्वयंसेवक समाज के प्रत्येक क्षेत्र में देश के कोने कोने में विपत्ति में सभी लोगों की मदद करते हैं। इस कार्य को स्वयंसेवक बिना किसी दबाव के स्वयं प्रेरणा से करते हैं। देश में किसी भी प्रकार की विपत्ति चाहे बाढ ग्रस्त क्षेत्र, भूकंप प्रभावित क्षेत्र या विश्वव्यापी कोरोनावायरस की भयंकर प्रलयलीला हो सभी विपत्तियों में स्वयंसेवक सबसे आगे खड़ा रहा।

मानसरोवर में आयोजित कार्यक्रम को संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचार प्रमुख महेंद्र सिंहल ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यदि दुनिया में और समाज में शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए सज्जन लोगों का शक्ति संपन्न होना अति आवश्यक है। सनातन हिंदू संस्कृति ही सर्वे भवन्तु सुखिन: की कामना मन में लेकर विश्व कल्याण की बात करती है। हम कितने भी संस्कार युक्त और गुणों से संपन्न हों लेकिन यदि शक्तिहीन हैं तो कोई भी हमारी बात नहीं सुनेगा। संघ समाज की इसी संगठित शक्ति को जागृत करने का कार्य अपनी स्थापना के समय से ही लगातार कर रहा है।

विद्याधर नगर में स्वयंसेवकों और प्रबुद्ध नागरिकों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि समाज की सज्जन शक्ति की निष्क्रियता से अनाचार की प्रवृत्ति हावी हो रही है। अच्छे लोगों की संख्या अधिक होने के बावजूद समाज में दुर्जनों का मनोबल और बढ़ रहा है। इसलिए वर्तमान में निरंतर बढ रही राष्ट्र विरोधी और अवांछित गतिविधियों में लिप्त तत्वों पर अब समाज की प्रभावी सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत है।

प्रदेश में बुधवार को 36 नए करोना संक्रमित मिले

पिछले चौबीस घंटों में जयपुर में आठ नए मरीज मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को करोना संक्रमण के 36 नए मामले सामने आए हैं। वहीं 54 मरीज ठीक भी हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर तीन सौ से भी कम रह गए हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या पचास से नीचे बनी हुई है। बुधवार को 13 जिलों में 36 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को इनकी संख्या 13 रही थी। इधर राजधानी जयपुर में आज सबसे ज्यादा 8 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर व पाली में 5-5, कोटा व उदयपुर में 4-4, अलवर में 3 तथा भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, दौसा, झालावाड़ और डूंगरपुर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में 8 हजार 36 सैम्पल की जांच की गई है। राज्य में बुधवार को 54 संक्रमित ठीक हुए हैं। लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर 298 रह गए हैं। जयपुर में आज 9 और मरीजों के रिकवर होने से 65 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9642 लोगों की जान जा चुकी है।

उधर, राजधानी जयपुर में बुधवार को 9 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें आमेर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, गोपालपुरा, जौहरी बाजार, कोटपूतली, मालवीय नगर और मानसरोवर में 1-1 नया मरीज मिला है।

सराफ ने पथ संचलन पर पुष्प वर्षा की

जयपुर। सत्य एवं न्याय की विजय के प्रतीक विजयदशमी उत्सव के गौरवशाली अवसर पर आयोजित शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महेश नगर एवं गोपाल नगर के स्वयं सेवकों के पथ संचलन का संगम त्रिवेणी नगर चौराहा पर हुआ। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा की, वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे लगाये गये। इस अवसर पर उप महापौर पुनीत कर्नावट, ब्रह्म कुमार सैनी,मंडल अध्यक्ष जितेंद्र अजमेरा, पार्षद रमेश सैनी, हिमांशु जैन, महेश सैनी, महेश सैनी बच्चू, भौमाराम टाटीवाल, मिथिलेश विजय उपस्थित रहे।

201 आरएएस अफसरों के तबादले

जयपुर (कासं.)। राजस्थान सरकार ने आज एक आदेश जारी कर राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 201 अफसरों के तबादले किये है।

तबादलों ने मुख्य रूप से राजेन्द्र कुमार वर्मा को अतिरिक्त आयुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर, सुखवीर सैनी को अतिरिक्त महानिरीक्षक (प्रशासन), पंजीयन एवं मुद्रांक, जयपुर, विवेक कुमार को संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (ख) विभाग, जयपुर, गौरव चतुर्वेदी को अतिरिक्त निदेशक, आईईसी-कम-परियोजना निदेशक, एनएचएम राजस्थान, जयपुर, राजेन्द्र सिंह कविया को संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (क-3) विभाग, जयपुर, सुनील भाटी को कार्यकारी निदेशक राजस्थान स्टेट वेबरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जयपुर, पंकज कुमार ओझा को रजिस्ट्रार राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण, जयपुर, डॉ. वीरेन्द्र सिंह को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जयपुर-प्रथम, प्रियंका जोधावत को अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र जयपुर, आभा बेनीवाल को विशेषाधिकारी (भूमि अवाप्ति) रीको, जयपुर, मेघराज सिंह मीणा को उपायुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, महेन्द्र कुमार मीणा को जिला रसद अधिकारी (प्रथम), जयपुर, अनुराधा गोगिया को जिला रसद अधिकारी (द्वितीय), जयपुर, हाकम खाँ को उफ निदेशक शांति एवं अहिंसा विभाग, जयपुर, सोमदत्त दीक्षित को उफ मुख्य निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचन विभाग, जयपुर, सत्य प्रकाश कस्वां को प्राधिकृत अधिकारी, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर, रवि वर्मा को भूमि अवाप्ति अधिकारी रीको, जयपुर, शीलावती मीणा को परियोजना निदेशक एवं राज्य नोजल अधिकारी पीसीपीएनडीटी ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (पीबीआई) निदेशालय चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राजस्थान, जयपुर, सुनील शर्मा-1 को सहायक कलस्टर (मुख्यालय) आमेर जयपुर, ओम प्रकाश थानवी को भूमि अवाप्ति अधिकारी, रीको, जयपुर, राकेश कुमार-II को उप निदेशक, इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर के पद पर लगाया है।

'पायलट के मेरे घर पर आने से सारा माहौल शांत हुआ है'

जयपुर, (का.प्र.)। कभी सचिन पायलट के खास सिपहसालार रहे और अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नजदीक बने हुए राजस्थान के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि इस वक्त राजस्थान हॉट है। परसों रात को सचिन पायलट मेरे घर आए, उन्होंने काफी पी, गप्पे ठोके। वो सिविल लाइंस में मेरे घर के बराबर पास ही में रहते हैं। पहले हम दोनों ने बीजेपी के खिलाफ बहुत आंदोलन भी लड़े हैं। वो मेरे घर आ गए, डेढ घंटे बात कर गए, तो पूरे देश में खबर हो गई कि प्रताप सिंह खाचरियावास के घर पर सचिन पायलट क्यों आ गए? क्या कारण था? क्या बातें हुईं? अब मैं क्या बताऊं, सब बातें बताने की होती हैं क्या? मैं भी समझने लगा हूँ। कुछ बातें अंदर भी रहनी चाहिए। वो ठीक रहता है।

2020 में कांग्रेस की बगावत के समय सचिन पायलट के खिलाफ लगातार बयानबाजी करने वाले प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि पायलट के मेरे घर पर आने से सारा माहौल शांत हुआ है।राजस्थान का माहौल अच्छा हुआ है। तो खुश होना चाहिए कि माहौल ठीक हुआ है। पायलट ने तो हमारी मुलाकात को लेकर एक शब्द भी नहीं बोला। दरअसल यह बात कहकर खाचरियावास ने जताने का प्रयास किया है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों के लिए वह सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

- अशोक गहलोत और सचिन पायलट में व्यक्तिगत रंजिश तो है नहीं, ये तो पॉलिटिक्स है : खाचरियावास

खाचरियावास ने दोहराया कि मैंने ये कहा कि वो मेरे यहां आए, भजन-कीर्तन तो करेंगे नहीं, बात ही करेंगे। सब बात भी हुई है। उसके बाद मैं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मिला। क्योंकि मैं उनके साथ मंत्री हूँ। हम एक परिवार में बैठे हैं। अशोक गहलोत और सचिन पायलट में व्यक्तिगत रंजिश नहीं है। ये पॉलिटिक्स है। माहौल बना दिया गया है कि दोनों में व्यक्तिगत रंजिश है, ऐसा नहीं है। दोनों एक ही पार्टी में काम करते हैं। गहलोत बहुत सीनियर हैं, पायलट यंग लीडर हैं।

जयपुर में अपने सरकारी निवास पर खाचरियावास ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है एक स्टेट में एक नहीं 10 नेता होने चाहिए,क्योंकि राहुल गांधी चाहते हैं पूरे देश के हर स्टेट में कांग्रेस के पास 10-10, 20-20 नेता हों। सब फेस मिलकर जबरदस्त वोट लेकर आए और कांग्रेस जीते। नेताओं की फौज जितनी ज्यादा होगी उतना फायदा होगा।

92 विधायकों के इस्तीफे को लेकर खाचरियावास ने कहा कि सारा मामला होने के बाद मुख्यमंत्री गहलोत दिल्ली गए और बाहर आकर बहुत बड़प्पन के साथ माफी मांगी। गहलोत कांग्रेस विधायक दल के लीडर हैं, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। 2023 में कैसे कांग्रेस सरकार बनाएगी, इसके लिए पूरे परिवार को एक होकर, बैठकर और फैसला करके तय करने की जरूरत है।

संविदा कर्मियों की नियुक्ति निरस्त करने का आदेश रद्द

जयपुर। हाईकोर्ट ने संविदा कर्मियों को नियुक्ति देने के सात दिन बाद ही उन्हें बिना सुनवाई का मौका दिए नियुक्ति निरस्त बर्खास्त करने के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश मंजू जायसवाल व अन्य की याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि बर्खास्त करने से पहले याचिकाकर्ताओं का पक्ष नहीं सुना गया, जो कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। ऐसे में 27 मई 2021 को जारी बर्खास्तगी आदेश रद्द किए जाते हैं, लेकिन यदि राज्य सरकार चाहे तो याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनकर नए सिरे से आदेश पारित कर सकती है।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने एएनएम, फार्मासिस्ट और जीएनएम सहित अन्य पदों पर संविदा से भर्ती करने के लिए 3 मई 2021 को भर्ती निकाली। जिसमें याचिकाकर्ताओं ने भाग लिया और विभाग की ओर से नियुक्ति मिलने पर उन्होंने बीस मई को संबंधित पदों का कार्यभार संभाल लिया। पद ग्रहण करने के सात दिन बाद ही विभाग ने 27 मई को आदेश जारी कर बिना कारण बताए याचिकाकर्ताओं को बर्खास्त कर दिया।

व्याख्याता के तबादले पर रेट ने लगाई रोक

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने स्कूल व्याख्याता और एनसीसी के एसोसिएट अफसर का तबादला करने और कार्य मुक्त करने के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने प्रमुख शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अधिकरण ने सदस्य एनएम काला और शुचि शर्मा ने यह आदेश भौतिक विज्ञान के व्याख्याता बेनी प्रसाद सोनी की अपील पर दिए।

- सरकारी खर्च पर एएनओ की ट्रेनिंग के बाद बिना एनसीसी वाली स्कूल में तबादला करने पर अधिकारियों को नोटिस देकर जवाब तलब किया है

अपील में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने अधिकरणको बताया कि अपीलार्थी टोंक के एक स्कूल में व्याख्याता लगा हुआ है। राज्य सरकार ने एसोसिएशट ऑफिसर के पद पर कमीशन के लिए लाखों रुपए खर्च कर अपीलार्थी की विशेष ट्रेनिंग कराई। ट्रेनिंग का उद्देश्य था कि याचिकाकर्ता स्कूल व्याख्याता के साथ-साथ स्कूल में एनसीसी लेने वाले विद्यार्थियों को भी प्रशिक्षित कर सके। इसके बावजूद ट्रेनिंग के बाद में शिक्षा निदेशक ने उसका तबादला भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर ब्लॉक में ऐसे स्कूल में कर दिया जहां एनसीसी ही नहीं है। जबकि राज्य सरकार के नियमों के तहत एनसीसी अफसर का तबादला सामान्य स्कूल में नहीं किया जा सकता। अपीलार्थी की ओर से संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में लिखित परिवेदना भी पेश की गई, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अपील में कहा गया कि जहाजपुर की स्कूल में एनसीसी की सुविधा नहीं होने से याचिकाकर्ता की ट्रेनिंग पर राज्य सरकार की ओर से किया गया लाखों रुपए का खर्च व्यर्थ हो गया और उसकी ट्रेनिंग का लाभ किसी विद्यार्थी को भी नहीं मिल रहा। ऐसे में उसके तबादला आदेश और कार्य मुक्त करने के आदेशों को रद्द किया जाए।

लोगों की समस्याओं के शीघ्र निपटारे के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य ध्येय अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जनसाधारण की समस्याओं के समाधान के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक जनसुनवाई की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है। आमजन की समस्याओं को प्रभावी रूप से निचले स्तर पर ही त्वरित निस्तारित किया जा रहा है, इस कारण मुख्यमंत्री स्तर तक आने वाली आमजन की समस्याओं में 50 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकायों एवं स्वायत्त शासन में भी लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन अभाव अभियोग निराकरण की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन की संकल्पना को तभी साकार माना जा सकता है जब आमजन के जरूरी काम समय पर होने के साथ ही उनकी समस्याओं का त्वरित एवं उचित निस्तारण भी हो सके। मुख्यमंत्री ने सम्पर्क पोर्टल, हैल्पलाइन 181, जनसुनवाई तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ समस्याओं के निराकरण कार्य को करें।

बैठक में बताया गया कि हैल्पलाइन 181 पर 1 जनवरी 2019 से अब तक लगभग 73 लाख प्रकरण पंजीकृत किए गए हैं। इनमें से लगभग 71.60 लाख (98 प्रतिशत से अधिक) प्रकरणों को निस्तारित किया जा चुका है। गहलोत ने हैल्पलाइन 181 के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं उचित निराकरण के चलते प्रदेशवासियों में सरकार के प्रति संतुष्टि का भाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। गहलोत ने अपराधों एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए ताकि फरियादी को समयबद्ध रूप से न्याय मिलना सुनिश्चित हो सके।

'हर खेत को सिंचित रखने की सोच को आगे बढ़ा रही मोदी सरकार'

जयपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत में मोदी सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को सिंचित रखने की सक्रियता से "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" की सोच को आगे बढ़ा रही है।

बुधवार को शेखावत ने एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) में अयोजित 24वीं आईसीआईडी महासभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हमारे दूरदृष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल से सभी विषयों को एक ही छत के नीचे सुनियोजित करने देश को वर्ष 2019 में जलशक्ति मंत्रालय दिया। उनकी संकल्पना से आज जल के माध्यम से जनसेवा अधिक श्रेयस्कर और सरल हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत को सिंचित रखने की सक्रियता से "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" की सोच को आगे बढ़ा रही है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

जयपुर। चौमूं थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। थानाधिकारी हेमराज ने बताया भरण की ढाणी, गोविंदगढ निवासी सुवालाल कुमावत की बेटी आशा (22) की शादी करीब तीन साल पहले चौमूं निवासी धर्मेंद्र से हुई थी। दोनों की 4 माह की बेटी है।

विजयादशमी पर स्पीकर बिरला ने इंडोनेशिया के मंदिर में की आराधना

जयपुर, (का.सं.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो वर्तमान में 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया में है, ने बाली में गरुड़ विष्णु केंकाना कल्चरल पार्क का दौरा किया। गरुड़ विष्णु केनकाना कल्चरल पार्क में स्थित विशाल गरुड़ विष्णु केनकाना प्रतिमा वास्तुशिल्प और इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है। यह प्रतिमा भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित है। इस अवसर पर बिरला को प्रतिमा की अवधारणा और संकल्पना के बारे में जानकारी दी गई। बिरला को यह जानकर खुशी हुई कि भारत की सांस्कृतिक उत्कृष्टता की झलक बाली में इतनी खूबसूरती से दर्शाई गयी है।

- पी-20 सम्मेलन में 20 देशों की संसदों के अध्यक्षों को करेंगे संबोधित

उसके बाद प्रतिनिधिमंडल बाली के विश्व प्रसिद्ध उलुवातु मंदिर पहुंचा। यह मंदिर बाली के नौ प्रमुख डायरेक्शनल मंदिरों में से एक है। अद्भुत वास्तुकला से सुसज्जित, यह मंदिर एक अद्वितीय स्थान पर स्थित है जहां ऊपर घने बादल हैं और नीचे चट्टानों पर लहरें आकर टकराती हैं।

बाद में, बिरला ने उलुवातु केकक डांस ओपन थिएटर, बाली में केकक नृत्य प्रदर्शन देखा। चूंकि यह नृत्य रामायण से प्रेरित है, इसलिए इससे विशेष रूप से भारतीय मूल के लोगों में गर्व की भावना उत्पन्न होती है कि भारत की समृद्ध संस्कृति इतने दूर-दराज के क्षेत्रों तक भी फ़ैली हुई है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को बाली, इंडोनेशिया के उलुवातु मंदिर में पूजा अर्चना की।

20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन 6 अक्तूबर को होगा। इसका समग्र विषय "सतत सुधार के लिए सशक्त संसद" है। प्रतिनिधि समग्र विषय के व्यापक दायरे के भीतर चार उप-विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। शिखर सम्मेलन के अंत में एक संयुक्त वक्तव्य स्वीकार किया जाएगा।

लोक सभा अध्यक्ष 6 अक्तूबर को "प्रभावी संसद, जीवंत लोकतंत्र" विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में विशिष्ट सभा को संबोधित करेंगे। वह कल "उभरते मुद्दे: खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, और आर्थिक चुनौतियां" विषय पर होने वाली चर्चा में भी भाग लेंगे।

राज्यसभा के उपसभापति कल "सामाजिक समावेशन, लैंगिक समानता और महिला अधिकारिता" विषय पर चर्चा में भाग लेंगे।

7 अक्तूबर को लोकसभा अध्यक्ष अपने विशेष संबोधन में जी -20 देशों के अध्यक्षों को भारत की संसद की अध्यक्षता में 2023 में भारत में होने वाले 9वें पी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के साथ ही बिरला अन्य संसदों के अध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इस दौरान लोक सभा अध्यक्ष के विशेष कार्याधिकारी राजीव दत्ता भी साथ रहेंगे।

नागपुर में "तीर" संगठन की स्टाल का उद्घाटन

जयपुर, (का.सं.)। ट्राईबल एम्पलाइज एंम्पावरिंग एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सेक्टर (तीर) संगठन के महासचिव अशोक मीणा ने बताया कि विजयादशमी के दिन ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नागपुर के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक ने "तीर" संगठन की पांडाल में लगी स्टॉल का उद्घाटन कर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा बुद्ध भगवान की प्रतिमा पर पुष्प अर्जित किए। इस अवसर पर भारतीय विमा कर्मचारी सेना, नागपुर के वरिष्ठ साथी अजीत रानाडे भी उपस्थित रहे।

ट्राईबल एम्पलाइज एंम्पावरिंग एसोसिएशन ऑफ इंश्योरेंस सेक्टर (तीर) संगठन के 15 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने इसमें भाग लिया तथा दीक्षाभूमि के पांडाल में मुख्य रूप से जरूरतमंद लोगों को 100000 तक की व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी का निशुल्क वितरण किया तथा विशेष तौर से गरीब स्कूली बच्चों को स्टेशनरी का सामान भी वितरित किया गया।

धम्मचक्र प्रवर्तन दिन भारतीय बौद्धों का एक प्रमुख उत्सव है। दुनिया भर से लाखों बौद्ध अनुयाई एकट्ठा होकर हर साल अशोक विजयादशमी एवं 14 अक्टूबर को मुख्य रुप से दीक्षाभूमि, नागपुर महाराष्ट्र में मनाते हैं। डॉ. आंबेडकर ने जहां बौद्ध धम्म की दीक्षा ली वह भूमि आज दीक्षाभूमि के नाम से जानी जाती है। इस अवसर पर देशभर के सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक उपक्रमों के अनुसूचित जाति/जनजाति के लाखों कार्मिक इसका हिस्सा बन, वहां आने वाले सभी अनुयायियों की यथासंभव सेवा करते हैं।

पर्स छीनने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर, (कासं)। राजधानी की मुहाना थाना पुलिस ने पर्स छीनने और जानलेवा हमले की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में काम ली गई बाइक भी बरामद कर ली है।

डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि पुलिस ने आरोपी अजय मीणा, तनय जांगीड सहित उन्हें शरण देने वाले अमन शर्मा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि अनिल श्रीवास्तव निवासी बालाजी विहार मोहनपुरा केशर चौराहे के पास ने मामला दर्ज कराया। उसने पुलिस को बताया कि वह मंगलवार को अपनी पत्नी मीनाक्षी श्रीवास्तव के साथ स्कूटी पर सवार होकर थडी मार्केट अग्रवाल फार्म से सुमेर नगर होते हुए अपने घर बालाजी विहार आ रहा था। बीच रास्ते में गिर्राज नगर मेन रोड लाइब्रेरी के पास पीछे से बाईक पर सवार दो लडके आए। उन्होंने मेरी पत्नी का पर्स खीचने की कोशिश की। इस दौरान वह स्कूटी से गिरकर गंभीर घायल हो गई। इस पर आरोपियों को पकड़ने के लिए मुहाना थानाधिकारी लखन सिंह खटाना के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने मौके व अन्य आने जाने वाले रास्तों में लगे हुये 200 से अधिक कैमरों की फुटेज खंगाले गये। साथ ही पूर्व में चालन शुदा अपराधियों से पूछताछ की गई। इस दौरान फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। इस दौरान दोनों आरोपियों को उनके एक साथ के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी नशा करने के आदी है। आरोपी नशे और महंगे शौक पूरा करने के लिये चैन व पर्स लूट की वारदात को अंजाम देते है। यह व्यस्त मार्केट वाले क्षेत्रों में रैकी करते हुये, टारगेट तय करते है। आरोपी रैकी के अनुसार बाईक से लोगों का पीछा करते हुये मौका पाकर चैन व पर्स लूट की वारदात को अंजाम देते है। आरोपी वारदात के बाद मुख्य रास्तों को छाड़कर गलियों से होते हुये शरणदाता अमन शर्मा के बताये अनुसार अपने ठिकानों पहुंचते हैं। वहीं वारदात में काम लिए वाहन को छोडकर अन्य ऑटोरिक्शा, ई-रिक्शा आदि से निकल कर अपनी उपस्थिती छिपा लेते है।

14 को गौ संकट निवारण पदयात्रा का आयोजन करेंगे धीरज गुर्जर

भीलवाड़ा, (निसं)। देश भर में तेजी से फैल रही लंपी बीमारी से गौवंश को बचाने के लिए बीज निगम के चेयरमैन धीरज गुर्जर गो संकट निवारण पदयात्रा का आयोजन करेंगे।

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राज्य मंत्री धीरज गुर्जर ने कहा कि लम्पी बीमारी का संकट गंभीर है और इसके लिए अभी तक कोई वैक्सीन भी नहीं बन पाई है,

- **बीज निगम के चेयरमैन धीरज गुर्जर ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी**

हालांकि उन्होंने कहा कि सरकार सभी प्रयास कर रही है, दवाईयां भी उपलब्ध करवाई है। उन्होंने कहा कि 14 अक्टूबर को प्रात: 10.15 बजे गौ संकट निवारण पदयात्रा संतों के सानिध्य में शुरू होगी। इसमें जिले भर के गौ भक्तों के साथ ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। पहले दिन यह पदयात्रा सातोला का खेड़ा पहुंचेगी जहां गौ भजन संध्या रखी गई है। 15 अक्टूबर को सातोला का खेड़ा से पदयात्रा रवाना होकर सायं कोटड़ी पहुंचेगी।

इस दौरान उन्होंने बताया कि चारभुजानाथ मंदिर में गौ छप्पनभोग भण्डारे का आयोजन रखा गया है। यहां लापसी तैयार कर जिले की विभिन्न गौ शालाओं में पहुंचाई जाएगी। उन्होंने बताया कि पदयात्रा के दौरान सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों और जागरूकता पोस्टर के साथ ही गायों के ईलाज के लिए देशी लड्डू भी वितरीत किये जायेंगे और गौ पालकों को सावधानियां बरतने की जानकारी दी जाएगी।

भू-विविधता प्रकृति के साथ मानवता के संबंधों का एक आंतरिक हिस्सा है : डॉ. व्यास

डीडवाना। राजकीय बांगड़ कॉलेज में भूगर्भ शास्त्र विभागाध्यक्ष व पर्यावरणविद् डॉ. अरुण व्यास ने बताया कि आज पूरी दुनिया में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय भू-विविधता दिवस मनाया जा रहा है इसकी मंजूरी यूनेस्को के महा सम्मेलन के 41वें सत्र में की गई थी। अब से हर वर्ष 6 अक्टूबर को दुनिया भर में एक वार्षिक उत्सव होगा, जो ग्रह पर सभी जीवित प्राणियों की भलाई और समृद्धि के लिए प्रकृति के महत्व के बारे में समाज में जागरूकता फैलाएगा।

भू-विविधता एक प्राकृतिक प्रयोगशाला और पाठ्यपुस्तक के रूप में कार्य करती है, जो नई पीढ़ियों को पृथ्वी के इतिहास, पृथ्वी के संसाधनों के सतत उपयोग और कल की चुनौतियों से पार पाने के लिए आवश्यक विज्ञान के बारे में सिखाती है। भू-विविधता प्रकृति के साथ मानवता के संबंधों का एक आंतरिक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भूविविधता हमारे चारों ओर है। इसमें प्रकृति के सभी भाग हैं जो जीवित नहीं हैं; खनिजों और जीवाश्मों से लेकर मिट्टी और पृथ्वी पर मौजूद सभी शानदार परिदृश्य तक इसमें शामिल है।

डॉ. व्यास ने बताया कि डीडवाना भू विविधता के सन्दर्भ में भारत में ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। डीडवाना में मौजूद नमक की झील वैट लैंड क्षेत्र में फैलाव लिए हुए है और इस इलाके में हजारों वर्ष पूर्व दृषद्वती नदी के बहाव के संकेत प्रदर्शित करती है। डीडवाना ओर इसके आसपास के इलाकों में प्रोटेरोजोइक काल की करीब दो सौ करोड़ साल पुरानी चट्टानें मौजूद है जो अरावली महासंघ के समकक्ष है और इनमें क्वार्टजाइट तथा फिलाईट प्रमुख शैल है।

डीडवाना के समीप इंडोलाव की ढाणी के करीब , पुरानी बांगड़ नहर में रेतीले टीलों में विश्व प्रसिद्ध 16 - आर नामक जगह से प्राप्त आर्टिफैक्टस प्रागैतिहासिक काल में मानव इतिहास की विकास यात्रा में कड़ी रहे होमो इरेक्टस के आठ करोड़ वर्ष पहले यहां आबादित होने के संकेत देते हैं। डॉ अरुण व्यास ने बताया कि हाल ही में फिजियोलॉजी या मेडिसिन में 2022 का नोबेल पुरस्कार स्वंते पाबो को "विलुप्त होमिनिन और मानव विकास के जीनोम से संबंधित उनकी खोजों के लिए" दिया गया है। होमो सेपियन्स अन्य होमिनिन से किस रूप में अलग पहचान बनाता है? अपने शोध के माध्यम से स्वंते पाबो ने निएंडरथल के जीनोम को अनुक्रमित किया, जो वर्तमान मनुष्यों के विलुप्त रिश्तेदार हैं। उन्होंने पहले अज्ञात होमिनिन डेनिसोवा की खोज की।

पाबो ने यह भी पाया कि लगभग 70,000 साल पहले अफ्रीका से बाहर प्रवास के बाद इन अब विलुप्त होमिनिन से होमो सेपियन्स में जीन स्थानांतरण हुआ था। सभी जीवित मनुष्यों को विलुप्त होमिनिन से अलग करने वाले आनुवंशिक अंतरों को प्रकट करके, उनकी खोजों ने यह पता लगाने का आधार प्रदान किया कि क्या हमें विशिष्ट मानव बनाता है। इस मायने में डीडवाना में होमो इरेक्टस की उपस्थिति के मद्देनजर यह क्षेत्र भी मानव विकास की कड़ियों को जोड़ने के मुद्दे पर शोध के लिए महत्वपूर्ण जगह साबित हो सकती है। डॉ. व्यास ने कहा कि भूवैज्ञानिक धरोहरों को शामिल करते हुए जियो पार्क को स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि यूनेस्को द्वारा ग्लोबल जियो पार्क नेटवर्क को सहयोग मिल रहा है। विश्व स्तर पर यूनेस्को द्वारा 1154 प्रमाणित हेरिटेज साइट्स गत वर्ष तक थी। इनमें से 897 सांस्कृतिक धरोहरें और 218 प्राकृतिक धरोहरें तथा 39 मिश्रित नेचर की है। भारत में 40 हेरिटेज साइट्स हैं। यूनेस्को द्वारा 46 देशों में 177 ग्लोबल पार्क चिन्हित किए गए हैं। जियो हेरिटेज साइट्स और जियो पार्क को विकसित करने की संभावनाओं को देखते हुए डीडवाना अपनी विशिष्ट पहचान प्रवासी पक्षियों फ्लैमिंगो और कुंरजा की शीत ऋतु में उपस्थिति से भी बना रहा है और पर्यटन की दृष्टि से इन जगहों को संरक्षित कर विकसित किए जाने की जरूरत है।

सीएम का आज रायपुर दौरा प्रस्तावित

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 6 अक्टूबर गुरुवार को जोधपुर से सुबह 9:30 बजे प्रस्थान कर प्रात: 10 बजे हमीरगढ़ हवाई पट्टी आएंगे। जहां से गहलोत प्रात: 10.30 बजे रायपुर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री गहलोत रायपुर में सहाड़ा के पूर्व विधायक स्व. कैलाश त्रिवेदी की मूर्ति का अनावरण करेंगे एवं 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन रायपुर के भूमि पूजन समारोह में शिरकत करेंगे तत्पश्चात दोपहर 1 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के लिए राजस्व मंत्री रामलाल जाट, जिला कलक्टर आशीष मोदी व जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया तथा सभा स्थल और तैयारियों की जानकारी ली व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

सूने मकान में चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। काछोला थाना क्षेत्र के उम्मेदपुरा गांव में चोरों ने सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए हजारों की नगदी और आभूषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। काछोला पुलिस के अनुसार, उम्मेदपुरा निवासी गंगाराम पुत्र गोरु बैरवा ने चोरी का मामला दर्ज करवाया है। गंगाराम का कहना है कि सुबह करीब 11 बजे वह और परिवारजन काम के सिलसिले में घर से बाहर गये थे। परिवादी की बेटी नैराज के गहने, परिवादी के घर में पड़े थे। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज की है।

विजयादशमी पर पथ संचलन निकाला

बिजयनगर, (निसं)। विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बुधवार को पथ संचलन निकाला गया। मिल चौक स्थित होटल से पथ संचलन प्रारंभ होकर मिल चौक स्थित वापस होटल हर्ष पैलेस पहुंचा।

पथ संचलन का शहर के प्रमुख चौराहों मुख्य बाजारों में नागरिकों स्वयंसेवी संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पुलिस प्रशासन के व्यापक बंदोबस्त के बीच निकाले गए पथ संचलन में थाना अधिकारी दिनेश कुमार चौधरी मय जाब्ते के मौजूद रहे। पथ संचलन के वापस होटल पहुंचने पर विजयादशमी का उत्सव एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खंड संघचालक बिजयनगर खंड निर्मल बाफणा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रणजीत चौधरी, पूर्व सेना अधिकारी, अध्यक्षता महंत श्याम दास महाराज एवं बौद्धिक कर्ता के रूप में हेमराज शर्मा, सह विभाग कार्यवाह, अजयमेरु विभाग उपस्थित रहें ।बौद्धिक कर्त्ता हेमराज ने उपस्थित स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए विजयदशमी पर्व के संदर्भ में जानकारी देते हुए वर्तमान में समाज के समक्ष चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

रावण दहन हुआ

सरवाड़, (निसं)। दशहरा पर्व के मध्य नजर रावण का दहन नगर पालिका प्रशासन के तत्वधान में आयोजित हुआ। इस मौके शहर वासी पहुंचकर मेले का काफी लुत्फ उठाया। रघुनाथ जी के मंदिर से राम लक्ष्मण सीता हनुमान की झांकी पहुंची। इस मौके पर आतीशबाजी भी की गई।। नगर पालिका अध्यक्ष छगन कंवर राठौड़, पूर्व अध्यक्ष शंकर सिंह राठौड़, उपखंड अधिकारी सुभाष चंद हेमानी व इस मौके पर मौके पर मौजूद रहे व पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

बजरंग दल ने शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया

ब्यावर, (निसं)। विजयादशमी के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद की युवा ईकाई बजरंग दल द्वारा आशापुरा माता धाम परिसर में शस्त्र पूजन का आयोजन रखा गया। हिंदू समाज के प्रत्येक जन द्वारा इस शस्त्र पूजन में सहभागिता निभाई गई। पंडित दामोदर दास पंडित राकेश द्वारा विधि विधान से मां आशापुरा के पवित्र प्रांगण में शस्त्रों का पूजन किया गया।

कार्यक्रम में विभाग मंत्री सुरेश वैष्णव ने हिंदू धर्म में शस्त्रों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य ने कभी भी बिना विवेक प्राचीन अस्त्र शस्त्रों का जन विध्वंस के उद्देश्य से प्रयोग नहीं किया और अपनी सामर्थ्य को निर्बल पर कभी भी उपयोग नहीं किया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के प्रत्येक कार्यकर्ता तथा विवेकशील हिंदू समाज के लोगों द्वारा भी अस्त्र शस्त्रों का प्रयोग राष्ट्र पर आई विपत्तियों के समय ही विवेक के आधार पर ही किया जाता है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल देश और धर्म पर आई विपत्तियों का सामना करने के लिए सदा समर्पित रहा है। किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए हमारे कार्यकर्ता हमेशा तत्पर रहे और हिंदू समाज में एक सुरक्षा की भावना का विकास किया है। जिला अध्यक्ष नितेश गोयल एवं जिला मंत्री गणपत बालोटिया ने भी अपने उध्बोधन में आज के कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। शस्त्र पूजन के कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तथा अन्य कई गणमान्य जन उपस्थित थे। जिनमें लक्ष्मीनारामण परियोजना प्रमुख, राजीव मिश्रा जिला सह संयोजक बजरंग दल, नंदकिशोर कमायचा जिला सुरक्षा प्रमुख, कपिल सेन जिला मठ मंदिर संपर्क प्रमुख, माणक साहू जिला गोरक्षा प्रमुख, हनुमान बन्ना जिला धर्माचार्य संपर्क प्रमुख महेंद्र सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष धर्म प्रसार नरेंद्र पारीक, जिला कोषाध्यक्ष शैलेश सोनी, नगर मंत्री राजू लोधा, नगर संयोजक बजरंग दल पुष्पेंद्र रावल, नगर सुरक्षा प्रमुख प्रवीण मुंडोतिया, सह संयोजक हरमीत सिंह, नगर उपाध्यक्ष विनोद कुमावत, हेमन्त पहलवान, नुन्द्री महेंद्रतान से गब्बर सिंह, श्रवण सिंह भाटी, अजीत शर्मा, सीमा शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गुलाबपुरा पालिका द्वारा दशहरा मेला का आयोजन

गुलाबपुरा, (निसं)। बुराई का प्रतीक, अहंकारी रावण, अधर्मी अपने भाई कुंभकरण व पुत्र मेघनाद सहित सैनिकों के साथ धूँ धूँ करके जलकर राख हो गया। गुलाबपुरा पालिका द्वारा दो दिवसीय भव्य दशहरे मेले का आयोजन विराट कवि सम्मेलन काव्य कलश के साथ हुआ।

दशहरा मैदान में मंगलवार रात्रि को आयोजित कवि सम्मेलन में ख्याति प्राप्त युग कवि डॉ. विश्वास कुमार व कवि संपत सरल, कुंवर जावेद, डॉ. सुमन दुबे, जानी बैरागी, पार्थ नवीन, कवि सम्मेलन के सूत्रधार रणजीत राणा सहित ने अपनी कविताओं की प्रस्तुतियां दी जिससे देर रात तक दर्शक जमा रहे। बुधवार को रावण दहन के लिए मेले में श्री चारभुजा नाथ मंदिर से श्री राम की सवारी सेना सहित गाजेबाजे के साथ दशहरे मैदान में पहुंची जहां, पालिका चेयरमैन सुमित काल्या सहित पार्षदों ने स्वागत अभिनंदन किया गया। इस दौरान श्री राम ने अपने अग्नि बाण से 71 फिट के रावण व 51-51 फिट के कुंभकर्ण, मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया तथा 15 रावण के सैनिकों के पुतले का भी दहन किया गया इस बार रावण सहित कुंभकरण, मेघनाद सहित पुतले भी तलवार चलाना व आंखों को टिमटमाना, सहित हरकत करतें हुए देखे गए एवं रावण दहन के साथ जयपुर पिंकी सिटी एन्टरप्राइजेज द्वारा आकाशमयी, गगनचुम्बी, सतरंगी शानदार आतिशबाजी का नजारा भी लोगों को देखने को मिला। राम की सवारी विभिन्न झांकियां के साथ शहर के मुख्य मार्ग से दशहरा मैदान पर पहुंची जहाँ राम सवारी का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। दशहरा मैदान हजारों की संख्या में लोगों से खचाखच भरा हुआ था। इस दौरान पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाडा, मनीष मेवाडा, पालिका चेयरमैन सुमित काल्या, पुलिस उपाधीक्षक लोकेश मीणा, थानाधिकारी गजराज चौधरी समाज सेवी बसंती लाल काल्या, पार्षद रामदेव खारोल सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, गण मान्यजन एवं हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इस अवसर पर पुलिस जाप्ता पर्याप्त मात्रा में तैनात था।

गरबा महोत्सव का समापन

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ शहर नवरात्रि के शुभ अवसर पर गरबा महोत्सव का समापन हुआ। वही माता रानी का बड़े धूमधाम से प्रतिमा का विसर्जन हुआ। यह विसर्जन सूर्य तलाई में किया गया। विसर्जन को लेकर भक्तों में काफी उत्साह देखने को मिला। माता रानी का विसर्जन ढोल बाजों के साथ सूर्य तलाई पहुंचा। वही माता रानी का प्रतिमा का विसर्जन किया गया। जिसमें अनेक गरबा स्थलों से प्रतिमाएं पहुंची।

Name Change

After Marriage I have changed my name from Varsha Rani D/O Vishnu Das to Nisha Sadhnani W/O Pradeep kumar Sadhnani. Address: 321, Janakpuri, Ganeshpura Road, Beawar (Ajmer) Rajasthan

आम सूचना

मैसर्स श्री राधा माधव साईंजिंग इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं. 13/413, हाऊसिंग बोर्ड कॉनर, अजमेर रोड़ मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.) जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस् के पास रजिस्ट्रेशन नं. 17/01/80/88 दिनांक 24/12/1988 से पंजीकृत है। इस फर्म में साझेदारी विलेख दिनांक 24/08/1988 के अनुसार निम्न साझेदार थे:-

1. श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी स्व. श्री राम विश्वास निवासी निवासी प्रेरणा सदन, डागा गली अजमेर रोड, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.)
2. श्रीमती अरूणा देवी पत्नी श्री सत्यनारायण गोयल निवासी प्रेरणा सदन, डागा गली, अजमेर रोड़, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.)
3. श्री राम अवतार गोयल पुत्र श्री सत्यनायाण गोयल निवासी प्रेरणा सदन, डागा गली, अजमेर रोड़, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.)
4. श्री अनिल कुमार गोयल पुत्र श्री जय नारायण गोयल निवासी महेश नगर, अजमेर रोड़, मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर (राज.)

इस फर्म के साझेदार श्रीमती बसन्ती देवी पत्नी स्व. श्री राम विश्वास का निधन दिनांक 20-11-2020 को हो गया है एवं श्रीमती अरूणा देवी पत्नी श्री सत्यनारायण गोयल का निधन दिनांक 17-11-2020 को हो गया है। इस प्रकार अब फर्म के नये साझेदारी विलेख दिनांक 23.09.2022 के अनुसार निम्न दो साझेदार है:-

1. श्री राम अवतार गोयल पुत्र श्री सत्यनायाण गोयल (हिस्सा 67 प्रतिशत)
2. श्री अनिल कुमार गोयल पुत्र श्री जय नारायण गोयल (हिस्सा 33 प्रतिशत)

अत: इस संबंध में यदि किसी को भी आपत्ति या एतराज होवे तो इस सूचना के प्रकाशन की अवधि से 7 दिवस में अपनी आपत्ति या एतराज उक्त फर्म के पते पर प्रस्तुत कर बाद में कोई आपत्ति या एतराज मान्य नहीं होगा।

(राम अवतार गोयल) साझेदार

(अनिल कुमार गोयल) साझेदार

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

विकास के पथ पर सुगम सफर

एल.आई.सी. भवन से सोडाला जंक्शन तक

एलिवेटेड रोड का लोकार्पण एवं

लागत: 250 करोड़ रुपए | कुल लम्बाई: 4.6 कि.मी.

222 करोड़ की 6 परियोजनाओं

- राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर परिसर में गेस्ट हाउस निर्माण
- सांझरिया (संकल्प नगर) में 43 एमएलडी एसटीपी का निर्माण
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 600-900 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 1200 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- वन्देमातरम रोड से मुहाना मण्डी रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य
- लुनियावास से गोनेर रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य

का शिलान्यास

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान के
कर-कमलों द्वारा

श्री शान्ति धारीवाल
मंत्री, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन विभाग, राजस्थान की
अध्यक्षता में किया जाएगा

दिनांक: 06 अक्टूबर, 2022 | समय: सायं 6.00 बजे | स्थान: कर भवन परिसर, जनपथ, जयपुर

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण https://www.facebook.com/AshokGehlot.Rajasthan और https://www.youtube.com/user/GehlotAshok पर किया जाएगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान संवाद

ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद ही तय किया जाएगा कि बुमराह की जगह कौन लेगा। टीम मैनेजमेंट अनुभवी नाम को लेने पर विचार कर रहा है जिससे शमी का दावा मजूबत - **रोहित शर्मा**

भारतीय कप्तान ने टी-20 विश्वकप से बाहर हुए बुमराह के रिप्लेसमेंट पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शोएब मलिक

पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी शोएब मलिक ने ऑस्ट्रेलिया में आगामी टी20 विश्व कप 2022 के लिए राष्ट्रीय टीम से बाहर होने पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने यह भी कहा कि वह तभी खेलेंगे जब कप्तान बाबर आजम चाहेंगे। क्रिकेट पाकिस्तान के यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए मलिक ने खुलासा किया कि बाबर से जरूर बात होती है। वर्ल्ड कप में भी यही बात हुई थी। बाबर ने मुझसे पूछा था कि कि आप रिटायरमेंट लेना चाहते हैं या और खेलना चाहते हैं। आप क्या सोच रहे हैं। तो मैंने सीधा सा बाबर को बोला था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकार्ड मैथ्यू हैडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

डेथ ओवरों में योजनाएं बेहतर तरीके से लागू करने की आवश्यकता : द्रविड़

द्रविड़ ने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि 'सपाट विकेटों' पर गेंदबाजी करना आसान नहीं

इंदौर, 5 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि टीम को डेथ ओवरों में सुधार करने के लिये अपनी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करना होगा। भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला में लगातार दूसरी बार 200 से अधिक रन दिये। डेथ ओवरों में भारत की गेंदबाजी एक बार फिर विस्मरणीय रही और प्रोटियाज ने अंतिम पांच ओवरों में 73 रन जोड़ते हुए 20 ओवर में 227 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। द्रविड़ ने अपने गेंदबाजों का बचाव करते हुए कहा कि ''सपाट विकेटों'' पर गेंदबाजी करना आसान नहीं है और भारत के खिलाफ खेलने वाली टीमों को भी इस समस्या का सामना करना पड़ा था।

द्रविड़ ने यहां मंगलवार को मैच के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जाहिर है, आप (खेल के) सभी विभागों में बेहतर करने की कोशिश करते हैं। निश्चित रूप से डेथ बॉलिंग में भी, लेकिन अगर आप निष्पक्ष होकर देखें तो यह बहुत सपाट विकेट हैं। यहां अंतिम ओवरों में गेंदबाजी करना आसान नहीं है। केवल हमारी टीम के लिए नहीं, बल्कि दूसरी टीम के लिए भी। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जिनके

गेंदबाजी आक्रमण के पास बहुत अनुभव है, और उन्होंने भी अंतिम ओवरों में संघर्ष किया है।' उन्होंने कहा, 'लेकिन हां, मुझे लगता है कि हमें उन्हें नहीं खुद को देखना होगा। हमें यह देखना होगा कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं और बेहतर हो सकते हैं।

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम निश्चित रूप से सुधार करना पसंद करेंगे। हम जानते हैं कि जब आप इन बड़े टूर्नामेंटों को खेलते हैं, तो गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। हर रन, बाउंड्री मायने रखती है। अगर हम उन्हें खेल के किसी भी चरण में रोक सकते हैं, तो यह निश्चित रूप से एक अंतर बनायेगा।' कोच द्रविड़ ने मध्यम गति के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल की खराब फॉर्म पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गेंदबाजों को टीम की योजनाओं को बेहतर ढ ंग से क्रियान्वित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, वह अकेले नहीं हैं। कुल मिलाकर डेथ (ओवरों) में सभी को सुधार करने की आवश्यकता है। कभी-कभी हमारे पास कुछ अच्छी योजनाएं और रणनीतियां होती हैं लेकिन इसका बहुत हद तक निष्पादन नहीं हो पाता। इसलिए, मैं हर्षल को व्यक्तिगत रूप से बाहर नहीं करूंगा। हमें एक समूह के रूप में बेहतर करने की जरूरत है।'

चोट से लौटने के बाद हर्षल विकेट लेने और रनों को रोकने में विफल रहे हैं। हरियाणा के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में सिर्फ एक विकेट लिया, जबकि 8 ओवर में 99 रन दिए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने पहले मैच में 26 रन के बदले दो विकेट लेकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दो मैचों में आठ ओवर में बिना विकेट चटकाये 89 रन दिए।

द्रविड़ ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि यह एक चिंता का विषय है। मैंने पहले भी इस सवाल का जवाब दिया है। वह ऐसा व्यक्ति रहा है जिसने पिछले कुछ वर्षों में अच्छी गेंदबाजी की है। वह खेल से डेढ़ महीने दूर रहकर वापस आ रहा है। छह सप्ताह तक नहीं खेलने के बाद गेंदबाजी करना आसान नहीं है। हम उसका समर्थन करते हैं। हम जानते हैं कि उसके पास गुणवत्ता और क्षमता है।'

द्रविड़ ने एशिया कप के बाद से तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर कहा, हमें निश्चित रूप से लड़कों पर भरोसा है। जब आप उस समूह को देखते हैं जिसे हम ऑस्ट्रेलिया ले जाएंगे, तो उन सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया है, और डेथ ओवरों में भी अच्छा किया है। हमें सिर्फ अपनी क्षमताओं पर भरोसा करने की जरूरत है, और उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया में समय आने पर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे।

श्रीजेश, सविता ने जीता सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार

लुसाने, 5 अक्टूबर। भारत के पीआर श्रीजेश और सविता पूनिया को बुधवार को लगातार दूसरी बार एफआईएच साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला गोलकीपर चुना गया। श्रीजेश ने अपने करियर के 16वें साल में भारत के लिए अपना महत्व दिखाते हुए एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सभी 16 मैचों में भाग लिया, जहां भारत तीसरे स्थान पर रहा। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भी सभी छह मैच खेले, जहां भारत को रजत पदक प्राप्त हुआ।

मतदान में श्रीजेश को कुल 39.9 अंक मिले, जबकि बेल्जियम के लोइक वैन डोरेन (26.3 अंक) दूसरे और नीदरलैंड के प्राइमिन ब्लाक (23.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे। ये वोट विशेषज्ञों (40 प्रतिशत), टीमों (20 प्रतिशत), प्रशंसकों (20 प्रतिशत) और मीडिया (20 प्रतिशत) द्वारा ऑनलाइन डाले गए थे।

श्रीजेश लगातार दो बार साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर पुरस्कार जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले डेविड हर्ट (आयरलैंड) ने 2015 और 2016 में यह पुरस्कार हासिल किया था, जबकि बेल्जियम के विन्सेंट वनाश ने 2017 से 2019 तक लगातार तीन बार इसे जीता था। श्रीजेश ने अपनी जीत पर कहा, इसमें कोई शक नहीं, यह एक विशेष पुरस्कार है क्योंकि हॉकी प्रशंसक हमें वोट दे रहे हैं। यह मेरे लिए एक बड़ा सम्मान और कड़ी मेहनत का प्रमाण है। चाहे आप अपने करियर के किसी भी चरण में हों, पुरस्कार जीतना हमेशा प्रेरणा देता है। यह पुरस्कार निश्चित रूप से मुझे और सुधार करने और एक महत्वपूर्ण वर्ष में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिसमें हम एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप भुवनेश्वर-राउरकेला 2023 खेलेंगे।

दूसरी ओर 32 वर्षीय सविता 37.6 अंकों के साथ मतदान में शीर्ष पर रही। अर्जेंटीना की दिग्गज बेलेन सुसी ने 26.4 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज जोसेलिन बार्टम (16 अंक) तीसरे स्थान पर हैं। सविता ने जीत के बाद कहा, यह निश्चित रूप से एक बड़ा सुखद आश्चर्य है। मुझे यकीन है कि कई भारतीय हॉकी प्रशंसकों ने हमें वोट दिया और मैं उनमें से हर एक को धन्यवाद देती हूं।

सविता 'साल की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार' की 2014 में स्थापना के बाद से लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतने वाली केवल तीसरी एथलीट हैं। सविता ने एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग 2021-22 में भारत को पोडियम पर पहुंचाने के लिए टीम का नेतृत्व किया और 14 मैच खेलकर 57 गोल बचाए।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सविता की कप्तानी में ही राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतकर खेलों में पदक का 16 साल का सूखा समाप्त किया। इससे पहले, भारत की युवा फॉर्वर्ड मुमताज़ ख़ान मंगलवार को एफआईएच साल का उभरता हुआ खिलाड़ी (महिला) पुरस्कार से सम्मानित की गयी थीं।

'स्नो टाइगर' कर्नल प्रेमचंद डोगरा का निधन

कुल्लू, 5 अक्टूबर। पर्वतारोहण की दुनिया में 'स्नो टाइगर' के नाम से जाने जाने वाले कर्नल प्रेमचंद डोगरा का निधन हो गया है। वर्ष 1977 में सबसे मुश्किल मार्ग 'द नॉर्थ ईस्ट स्पर' भारत की सबसे ऊंची चोटी कंचनजंघा के शिखर पर पहुंचने वाले वह दुनिया के पहले भारतीय थे। 'हीरो ऑफ कंचनजंघा' कर्नल प्रेमचंद के निधन से पर्वतारोहण के एक युग का अंत हो गया है। कर्नल प्रेमचंद डोगरा ने बीती रात हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में अपनी आखिरी सांस ली। ऐसा बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से बीमार थे। लाहौल के लिंडर गांव के रहने वाले प्रेमचंद जनजाति संस्कृति व परंपराओं के अग्रणी पक्षधर रहे। लाहौल की वादियों में रहकर ही उन्होंने पहाड़ों पर चढ़ ना शुरू किया, जिसमें आगे जाकर उन्हें इसमें एक अलग पहचान दी। उनके पहाड़ों के नापने के जज्बे व जूनून को देखते हुए उन्हें सेन में स्नो टाइगर के नाम से अलंकृत किया। गौरतलब है कि कर्नल प्रेमचंद डोगरा उन पर्वतारोही में से एक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन पर्वतारोहण में समर्पित कर दिया था। कर्नल प्रेमचंद ने अपने पूरे जीवन में लगभग 30 चोटियों को सफलतापूर्वक फतह किया।

केरल, चंड़ीगढ़ का सुब्रतो कप में विजय रथ जारी

नयी दिल्ली, 5 अक्टूबर। एमआईसी ईएमएचएसएस (केरल) ने यहां बुधवार को महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज (देहरादून) को 5-0 से हराकर सुब्रतो कप अंडर-17 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना विजय रथ जारी रखा। दूसरी ओर, राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी (चंडीगढ़) ने गुरुकुल (हरियाणा) को 8-0 से हराया। दिन के अन्य मुकाबलों में सीटी एचएसएस (मणिपुर) ने सेंट जेवियर्स हाई स्कूल (कर्नाटक) को 5-1 से हराया जबकि राजकीय हॉलावंग स्कूल (मिजोरम) ने गंगाधरपुर विद्यामंदिर (पश्चिम बंगाल) को 3-0 से मात दी। पिलग्रिम एचएसएस (नागालैंड) ने बम्पोथेर बेंगेनाबोरी (असम) पर 2-0 से जीत दर्ज की। सेंट एंथोनी के एचएसएस (मेघालय) ने डीसीटी वसंतराव डेम्पो एचएसएस (गोवा) को 6-1 से हराया। दिन के बड़े मुकाबलों में केन्द्रीय विद्यालय, (कोचीन, केरल) ने पाथवे स्कूल (नोएडा) को 22-0 से रौंदा जबकि एमेनिटी पब्लिक स्कूल (रुद्रपुर, उत्तराखंड) ने ज्ञानमाता हाई स्कूल (सिलवासा) को 13-0 से परास्त किया। टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जाने वाली टीमों का नाम गुरुवार के मैचों के बाद निर्धारित होगा।

टी-20 में शीर्ष रैंकिंग के करीब पहुंचे सूर्यकुमार

दुबई, 5 अक्टूबर। भारतीय मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अपनी आईसीसी टी20 रेटिंग में सुधार करते हुए शीर्ष रैंकिंग की होड़ को रोमांचक बना दिया है। आईसीसी की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार 838 रेटिंग पॉइंट के साथ टी20 बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद हैं, जबकि पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान 854 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले स्थान पर हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हालिया टी20 शृंखला में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दो अर्धशतकों के साथ कुल 119 रन बनाये। सूर्यकुमार अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद रिजवान से सिर्फ 16 अंकों की दूरी पर हैं।

सूर्यकुमार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में 61(22) रनों की पारी खेलने के बाद कुछ देर के लिये रैंकिंग में पहले स्थान पर भी आये थे, लेकिन तीसरे टी20 में केवल

आठ रन बनाने के कारण वह बुधवार की रैंकिंग में पुन: दूसरे स्थान पर आ गये। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान सूर्यकुमार के पास शीर्ष रैंकिंग हासिल करने का एक और मौका होगा।

दूसरी ओर, रिज़वान इंग्लैंड के खिलाफ सात मैचों की हालिया टी20 शृंखला में 316 रन बनाकर सबसे सफल बल्लेबाज रहे। भारत और पाकिस्तान टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में 23 अक्टूबर को एक-दूसरे का सामना करेंगे। इसी बीच, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म नवीनतम टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में 801 रेटिंग पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर आ गये हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल प्रोटियाज के खिलाफ दो मैचों में 108 रनों के दम पर सूची में सात पायदान की छलांग लगाकर 14वें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (आठ पायदान के फायदे से 12वें स्थान पर), राइली रूसो (23 पायदान के फायदे से 20वें स्थान पर) और डेविड मिलर (10 स्थान ऊपर 29वें स्थान पर) ने भी आकर्षक बढ़त हासिल की है। भारत के अनुभवी स्पिन रविचंद्रन अश्विन ने गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में 28 पायदान की छलांग के साथ 20वां स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 शृंखला से बाहर रहने के कारण हार्दिक पांड्या हरफनमौलाओं की रैंकिंग में एक स्थान गिरकर पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में शूटिंग की वापसी, कुश्ती बाहर

लंदन, 5 अक्टूबर। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने बुधवार को विक्टोरिया 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिये खेल कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें शूटिंग ने वापसी की है जबकि कुश्ती को बाहर रखा गया है।

सीजीएफ, ऑस्ट्रेलिया की एंड्रयू सरकार और राष्ट्रमंडल खेल ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि तटीय रोइंग, गोल्फ और बीएमएक्स विक्टोरिया में अपना राष्ट्रमंडल खेल पदार्पण करेंगे। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 20 खेल और 26 शास्त्र होंगे, जिसमें नौ पैरा-स्पोर्ट शामिल हैं।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन ने कहा, हम 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खेल कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए रोमांचित हैं, जिसमें विक्टोरिया 2026 द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त खेल एक विविध कार्यक्रम को पूरा करते हैं।

उन्होंने कहा खेल प्रतिस्पर्धी और रोमांच से भरपूर होने वाले हैं। खेलों में एक व्यापक, पूरी तरह से एकीकृत पैरा स्पोर्ट कार्यक्रम, कोस्टल रोइंग, गोल्फ और बीएमएक्स की शुरुआत होने वाली है जबकि शूटिंग और 33 बास्केटबॉल वापसी करेंगे।

उन्होंने कहा कार्यक्रम सीजीएफ के 2026-30 रणनीतिक रोडमैप का हिस्सा है, जो मेजबानों को नये खेलों का प्रस्ताव देने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करता है, विशेष रूप से विशिष्ट स्थानीय प्रासंगिकता वाले खेल जो सांस्कृतिक प्रदर्शन और सामुदायिक जुड़ाव बढ़ाएंगे।

दूसरे एकदिवसीय मैच के टिकट छह तक मिलेंगे

रांची, 5 अक्टूबर। भारत- दक्षिण अफ्रीका के बीच झारखंड के रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 9 अक्टूबर को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का टिकट कल सुबह स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास बने काउंटर से 6 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से संध्या 4 बजे तक बिक्री होगा। जेएससीए के सचिव ने आज यहां बताया कि टिकट बिक्री के दौरान 1 बजे से 2 बजे तक लंच ब्रेक होगा। दर्शक पेटीएम के एप पर ऑनलाइन भी टिकट बुक कर सकते हैं। सचिव ने बताया कि ऑनलाइन टिकट का पेमेंट पेटीएम एप, पेटीएम इंसाइडर एप और के द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि टिकट काउंटर से एक व्यक्ति को अधिकतम 3 टिकट ही मिलेगा और इसके लिए आधार कार्ड का फोटो कॉपी देना अनिवार्य होगा।

भारत ने फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप के लिए टीम घोषित की

भुवनेश्वर, 5 अक्टूबर। भारत के अंडर-17 महिला टीम के प्रमुख कोच थॉमस डेनरबी ने 11 अक्टूबर से होने जा रहे फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप 2022 के लिए 21 सदस्य टीम की बुधवार को घोषणा की। भारत को अमेरिका, मोरक्को और ब्राजील के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। इसमें भारत का पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को अमेरिका के साथ है जिसके बाद 14 अक्टूबर को मोरक्को और 17 अक्टूबर को ब्राजील के साथ टक्कर होनी है। यह तीनों मुकाबले भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में होंगे।

डेननरबी ने कहा, यह सभी के लिए एक नयी स्थिति है। भारत ने इससे पहले कभी वर्ल्ड कप नहीं खेला है। यह पूरी तरह से अलग खेल है। यह सबको दिखाने का एक अलग मौका है कि हमने पूरी तरह से तैयारी की है और हम किसी को भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे। हर कोई वर्ल्ड कप खेलना चाहता है लेकिन मैंने टीम में सर्वश्रेष्ठ 21 खिलाड़ियों को चुना है। उन्होंने कहा, जब आप मैदान पर होते हैं तो सबकुछ पीछे छूट जाता है और आपको केवल खेल पर ध्यान केंद्रित करना होता है। ये ही इन लड़कियों को करना है। मैदान पर अच्छे प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताते हुए डेनरबी ने कहा, हमारे लिए प्रदर्शन प्रमुख है। मुझे उम्मीद है कि लड़कियों पर ज्यादा दबाव नहीं है और वे आत्मविश्वास के साथ खेलेंगी। आपको एक ही समय पर दबाव में न रहते हुए प्रदर्शन करना है। ये वक्त है एक बेहतर खेल को खेलने का।

टीम में गोलकीपर के रूप में मोनालिसा देवी मोइरंगथेम (1), मेलोडी चानू कीशाम (13) और अंजलि मुंडा (21) को रखा गया है। डिफेंडर्स के तौर पर अस्तम उरांव (5), काजल (20), नकेता (3), पूर्णिमा कुमारी (2), वार्शिका (19) तथा शिल्की देवी हेमम (4) को रखा गया है।

21 सदस्य टीम में मिडफिल्डर्स के लिए बबीना देवी लिशम (6), नीतू लिंडा (17), शैलजा (15) और शुभांगी सिंह (16) को चुना गया है। फॉरवर्ड के तौर पर अनीता कुमारी (11), लिंडा कॉम सर्टो (9), नेहा (7), रेजिया देवी लैशराम (18), शेलिया देवी लोकतोंगबम (12), काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा (8), लावण्या उपाध्याय (10) और सुधा अंकिता तिर्की (14) शामिल हुए।

15वें खिलाड़ी के बिना ऑस्ट्रेलिया जायेगी भारतीय टीम

चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अभी किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है

मुंबई, 5 अक्टूबर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2022 की 15-सदस्यीय स्क्वाड में 15वें खिलाड़ी के बिना ही ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी। क्रिकबज ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर अभी किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया है और वे मोहम्मद शमी के पूर्णत: स्वस्थ होने का इंतजार करेंगे। क्रिकबज ने कहा कि भारतीय टीम कुल 18 खिलाड़ियों के साथ छह अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होगी, लेकिन आधिकारिक स्क्वाड में 15वें खिलाड़ी को फिलहाल नामित नहीं किया जायेगा। मोहम्मद शमी इस समय कोरोना से उभर रहे हैं और उन्हें बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में तलब किया गया है। भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने शमी के स्वास्थ्य के बारे में कहा था, हम इसे देख रहे हैं। हमारे पास 15 अक्टूबर तक का समय है। शमी हमारे अतिरिक्त खिलाड़ियों में शामिल हैं। दुर्भाग्यवश वह इस (दक्षिण अफ्रीका) शृंखला में नहीं खेल सके। यह उस दृष्टिकोण से हमारे लिये आदर्श होता, लेकिन वह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। हमें यह देखना है कि कोरोना के 14-15 दिन बाद उनका स्वास्थ्य कैसा है, और उसके बाद ही हम फैसला लेंगे। एनसीए की मेडिकल टीम अंतिम निर्णय लेने से पहले उनकी फिटनेस का आकलन करेगी और बीसीसीआई को रिपोर्ट करेगी। क्रिकबज़ ने कहा कि बीसीसीआई 15 अक्टूबर तक इंतजार करेगा, जो आईसीसी के नियमों के अनुसार पूरी टीम की घोषणा करने की आखिरी तारीख होगी।

द. अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के लिए विश्व कप 2023 की दावेदारी पेश करने का मौका

लखनऊ, 5 अक्टूबर। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों के पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला में खुद को साबित करने का एक और मौका होगा।

यह खिलाड़ी इससे पहले वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे में भी एकदिवसीय शृंखलाएं जीतकर आ चुके हैं, जिसने निश्चित ही इन्हें आत्मविश्वास दिया होगा। शिखर धवन की कप्तानी में भारत ने वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे दोनों को 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीका जैसी बड़ी टीम के खिलाफ यह एकादश पहली बार खेलने उतरेगा।

पिछली दोनों शृंखलाओं में बल्ले से रन बरसाने वाले शुभमन गिल इस सीरीज के लिये टीम में वापस आ रहे हैं। शुभमन ने अपना आखिरी मैच ज़िम्बाब्वे के साथ खेलते हुए 130 रन बनाये थे और वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी अपनी फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे।

कप्तान और सलामी बल्लेबाज धवन ने भी भारत में होने वाले आईसीसी विश्व कप 2023 के लिये टीम में जगह बनाने की अपनी मंशा जाहिर कर दी है। इस लिहाज से यह तीन मैच उनके लिये महत्वपूर्ण होंगे। शिखर ने पिछले एक साल में इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे में खेली गयी एकदिवसीय शृंखलाओं में नियमित रूप से रन बनाये हैं, हालांकि उनका स्ट्राइक रेट रोज़ाना बदलते तेजरफ्तार खेल के अनुरूप नहीं है। रजत पाटीदार और मुकेश सिंह ने घरेलू क्रिकेट से अपना रास्ता तराशते हुए भारतीय स्क्वाड में जगह बनाई है, और यदी वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हैं तो उनके पास बड़े मंच पर अपना लोहा मनवाने का अवसर होगा।

रजत पाटीदार पिछले छह महीने में आईपीएल फाइनल और रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट मैच में भी शतक जड़ चुके हैं। शतकवीर पाटीदार यदि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भारत की मुख्य टीम में आने के मजबूत दावेदार बन जाएंगे।

दूसरी ओर, मुकेश सिंह रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में पांच विकेट लेने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। वह अपने प्रदर्शन के आधार पर डेथ ओवरों में जूझती भारतीय टीम के लिये एक अच्छे विकल्प बन सकते हैं।

इकाना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में टिकट को लेकर अव्यवस्थायें उजागर

लखनऊ, 5 अक्टूबर। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई इकाना अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला खेला जाना है लेकिन मैच से पहले इकाना स्टेडियम की अव्यवस्था सामने आई है। लखनऊ में हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद लोग घंटों स्टेडियम के बाहर टिकट के लिए लाइन में लगे हैं लेकिन फिर भी उनकी समस्याएं कम नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि पहले ऑनलाइन टिकट बुक किया कन्विनिएंस फीस के नाम पर एक्स्ट्रा पैसा भी दिया, उसके बावजूद स्टेडियम की तरफ से यह मैसेज आता है की बॉक्स ऑफिस पर आकर ही टिकट लेना अनिवार्य है। घंटों लाइन में लग कर जब काउंटर पर पहुंचते हैं।

विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाने के लिये यूएस गोल्फ इंडिया टूर्नामेंट में भिड़ेंगे 74 गोल्फर

गुरुग्राम, 5 अक्टूबर। विश्व चैंपियनशिप और अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में जगह बनाने के इरादे से 74 युवा गोल्फर क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री कोर्स पर यूएस किड्स गोल्फ इंडिया टूर्नामेंट के पहले सत्र में दावेदारी पेश करेंगे।

टूर्नामेंट का पहला लेग छह अक्टूबर को जबकि दूसरा लेग सात अक्टूबर को आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियनशिप खेलने वाली अदिति अशोक और क्षितिज नावीद कौल जैसे बड़े भारतीय नाम भी हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली युवा प्रतिभाएं 14 आयु वर्गों में बंटी हुई हैं। लड़कों के लिये नौ आयु वर्ग हैं जबकि लड़कियों को पांच आयु वर्गों में बांटा गया है। यह गोल्फर अमेरिका के मशहूर पाइनहर्स्ट गोल्फ कोर्स में आयोजित होने वाले यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिये छह अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर पॉइंट्स अर्जित करेंगे। साथ ही, इन युवाओं के पास यूएस किड्स यूरोपीय चैंपियनशिप में जगह बनाने का मौका भी होगा।

यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप ऐसे कई खिलाड़ियों के लिए एक मंच रहा है जो विश्व गोल्फ के मौजूदा परिदृश्य में सबसे बड़े सितारे बन गए हैं। इनमें विश्व नंबर एक स्कॉटी शेफ़लर, दो बार के मेजर विजेता जस्टिन थॉमस और कॉलिन मोरीकावा शामिल हैं। अमेरिका की अनुभवी गोल्फर लेक्सी थॉम्पसन यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैंपियनशिप में कई बार खिताब जीत चुकी हैं।

अमेरिका की कैरोलिन आर. बर्टोज़ी और के. बैरी शार्पलैस एवं डेनमार्क के मॉर्टन मैल्डल ने ''क्लिक कैमिस्ट्री और बायोऑर्थोगोनल कैमिस्ट्री'' के विकास के लिए संयुक्त रूप से रसायन विज्ञान का वर्ष 2022 का नोबेल पुरस्कार जीता है। रॉयल स्वीडिश अकैडमी ऑफ साइंसेज़ ने बुधवार को इसकी घोषणा की। अकैडमी ने एक बयान में कहा कि, ''शार्पलैस और मैल्डल ने क्लिक कैमिस्ट्री के रूप में रसायन विज्ञान के एक क्रियात्मक प्रकार की नींव रखी है, जिसमें अणु-संबंधी रचक खण्ड जल्दी और कुशलता से एक साथ जुड़ते हैं। दूसरी ओर, कैरोलिन बर्टोज़ी ने रसायन विज्ञान को एक नये आयाम पर ले जाते हुए क्लिक कैमिस्ट्री का उपयोग जीवों में करना शुरू कर दिया है। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष ज़ोहान एक्विस्ट ने कहा, ''रसायन विज्ञान में इस वर्ष का पुरस्कार आसान और सरल चीज़ों के साथ काम करने के बजाय जटिल मामलों से संबंधित है। क्रियात्मक अणुओं का निर्माण एक सीधा रास्ता अपनाकर भी किया जा सकता है।'' बर्टोज़ी ने ऑनसाइट टेलीफोन इंटरव्यू में अपना रोमांच ज़ाहिर करते हुए कहा, ''खुशी के मारे मैं मुश्किल से सांस ले पा रही हूँ, मैं चकित हूँ।'' चित्र में नज़र आ रहे हैं, बाएं से दाएं, क्रमशः मॉर्टन मैल्डल, के. बैरी शार्पलैस तथा कैरोलिन आर. बर्टोज़ी।

'मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एन.डी.ए/ भाजपा रिपीट हो'

रिटायरमैंट के बाद पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक केन्द्र सरकार के खिलाफ और भी आक्रामक हुये

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। मेघालय के पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक रिटायरमेंट के बाद सरकार के खिलाफ और आक्रामक हो गए हैं। सतपाल मलिक ने कहा है कि, मैं तो पहले से ही इस्तीफा लेकर घूम रहा था, लेकिन अब मैं आजाद हूं। पूर्व राज्यपाल ने कहा कि मैं अब आजाद हूं। कुछ भी कर सकता हूं और जेल तक जा सकता हूं। बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में पहुंचे मलिक ने सीधे मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे। सतपाल मलिक ने अपने बयानों की सी.बी.आई. जांच को लेकर भी बात की।

मलिक ने कहा कि, मेरी 100 जांच करा दें, लेकिन अपनी एक भी करा दें तो सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरे खिलाफ कोई मुकदमा नहीं हो सकता है। मैं तो 5 कुर्ते लेकर गया था और उतने ही लेकर आ गया हूं। मैं फकीर हूं।

यही नहीं इस दौरान मलिक ने भाजपा के विरोध में अपने इरादे भी साफ कर दिया। 2024 में होने वाले आम चुनाव के बारे में मलिक बोले, मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा लेकिन वहां जाऊंगा और लड़ाई में मदद करूंगा। मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि 2024 में एनडीए और बीजेपी रिपीट हो। जेल जाना पड़ तो जेल जाऊंगा किसानों के लिए, न किसी पार्टी में जाऊंगा न चुनाव लड़ूंगा।

इस मौके पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर बोलते हुए सतपाल मलिक ने कहा कि मैंने इन लोगों को दो मामले बताए थे, लेकिन कोई जांच नहीं हुई। मलिक ने कहा कि मैंने इन्हें बताया था कि एक मंत्री फोन करता है और कहता है कि आपके यहां से बोल रहा है। उसके बारे में कहा गया कि हटाएंगे पर हटाया नहीं गया। इसी तरह मैंने गोवा में भ्रष्टाचार बताया, तो कहने लगे कि आपकी जानकारी गलत है। मैंने कहा कि मेरी जानकारी सही है। लेकिन उसे अभी भी वहीं रखे हुए हैं मुझे मेघालय भेज दिया। तो मैं इनके इस नारे में नहीं आता हूं कि ये भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं।

- **सतपाल मलिक ने बुलंदशहर के सेगली गांव में हुए किसान महासम्मेलन में कहा, ''वे मुझ पर हमला करेंगे और सजा देने का प्रयास करेंगे, लेकिन कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे।'' उन्होंने कहा, मैं चैलेंज देता हूं, मेरी सौ जांचें करा दो और अपनी एक भी कराकर दिखाओ।**

गौरतलब है कि, सतपाल मलिक गवर्नर रहते हुए भी बीते करीब दो सालों से केंद्र सरकार पर हमला बोलते रहे हैं। किसान आंदोलन के दौरान उनकी मुखरता काफी ज्यादा थी। वह किसान आंदोलन के प्रबल समर्थक थे और मोदी सरकार पर इसे लेकर हमला बोला था। हाल ही में सतपाल मलिक ने कहा था कि रिटायर होने के बाद मैं चुनावी राजनीति नहीं करूंगा, लेकिन अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के लिए मेरे मन में सॉफ्ट कॉर्नर है।

सतपाल मलिक ने कहा था कि, मैं इन लोगों को सहयोग जरूर करूंगा। लेकिन मैं चुनाव नहीं लड़ सकता, इसलिए उनके सिस्टम में मेरी कोई जगह नहीं हो सकती।

'भाजपा की गलतियों को बताने की जरूरत है'

श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा करना चाहिये, नहीं तो भाजपा नेताओं को गलतफहमी होगी कि, वे जो कुछ भी करते हैं वह ठीक है

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने बुधवार को कहा कि, देश में आर्थिक असमानता को लेकर आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले की टिप्पणियों को गलत नहीं समझना चाहिए। प्रमोद मुतालिक ने कहा, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने देश के बारे में चिंता और दर्द के साथ बात की थी। गुस्सा दिखाने या गलत संदेश देने का कोई इरादा नहीं है। वह एक राजनेता नहीं है, यह नहीं माना जा सकता है कि वह बीजेपी के खिलाफ गए थे। आगे मुतालिक ने कहा कि बीजेपी के भीतर की गलतियों को बताने की जरूरत है। नहीं तो बीजेपी नेता सोचेंगे कि वह जो कुछ भी करते हैं और वह ठीक है।

उन्होंने कहा कि दत्तत्रेय होसबले आरएसएस में दूसरे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को बीजेपी द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत की आजादी के तुरंत बाद मुसलमानों में राष्ट्रवाद का समावेश हो गया था। देश के मुसलमानों को लेकर कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति की। कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति आतंकवाद, हत्याओं और दंगों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है जो इस देश में देखे जाते हैं। मुझे विश्वास नहीं है कि भविष्य में मुसलमानों में राष्ट्रवाद बढ़ेगा। अगर आरएसएस के नेता मस्जिदों में जाते हैं तब भी उनकी मानसिकता में बदलाव नहीं होगा।

- **प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, आर.एस.एस. के शीर्ष नेता दत्तात्रेय होसबले ने देश में आर्थिक असमानता को लेकर कड़ी टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा कि, आर.एस.एस. को ऐसा पूर्ण अधिकार होना चाहिये तथा इस मामले में होसबले को गलत नहीं समझना चाहिए।**
- **उन्होंने कहा कि, होसबले आर.एस.एस. में दूसरे सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। उन्होंने शोध और अध्ययन के बाद वर्तमान यथार्थवादी स्थिति के बारे में खुलासा किया। उनके बयानों को भाजपा द्वारा स्वीकार किया जाना चाहिए और पार्टी को सुधार के रास्ते पर चलना चाहिए।**

प्रमोद मुतालिक ने कहा कि, हमारे पास इस बारे में स्पष्टता नहीं है कि हमारे दोस्त और दुश्मन कौन हैं। हजारों सालों से हिंदू अन्य धर्मों के साथ सहिष्णुता से रह रहे हैं। हिंदू समाज में दूसरों पर हमला करने की मानसिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर यह कहना कि पी.एफ.आई. वापस आएगा, एक चेतावनी है कि, पी.एफ.आई. अभी भी सक्रिय है। उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए हिंदू समाज को पुलिस विभाग का सहयोग करना चाहिए।

कश्मीर में दो मुठभेड़ों में चार आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 5 अक्टूबर (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने दो मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के चार आतंकवादियों को मार गिराया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि, पहली मुठभेड़ द्राच गांव में मंगलवार रात हुई और दूसरी मुठभेड़ बुधवार तड़के दक्षिण कश्मीर के इसी जिले के मुलू गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाए गए घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान हुई। मुठभेड़ ऐसे समय में शुरू हुई जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार से जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर थे। शाह राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद मंगलवार रात श्रीनगर पहुंचे और उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को एक और जनसभा को संबोधित करेंगे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि द्राच में मुठभेड़ में मारे गए तीन स्थानीय आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। एडीजीपी ने कहा कि तीन आतंकवादियों में से हनान बिन याकूब और जमशेद के रूप में पहचाने गए आतंकवादी दो अक्टूबर, 2022 को पिंगलाना में एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) जावेद डार और 24 अगस्त, 2022 को पश्चिम बंगाल के एक बाहरी मजदूर की पुलवामा में हत्या में शामिल थे।

मूर्ति विसर्जन के दौरान 6 युवकों की डूबने से मौत

नसीराबाद, 5 अक्टूबर (निसं)। नसीराबाद सदर थाना अंतर्गत ग्राम नांदला के निकट एक तालाब में डूबने से 6 युवकों की मौत हो गई।

सदर थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम नांदला स्थित नंदा जी की ढाणी के युवक नांदला के पास ही स्थित एक तालाब में माता जी की मूर्ति विसर्जन करने के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

- **यह घटना नांदला गांव की है, जहां तालाब में देवी की मूर्ति विसर्जित करते समय पैर फिसलने से हादसा हुआ और एक दूसरे को बचाने में 6 युवक डूब गए।**
- **मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रमीणों की मदद से 5 शव तुरंत निकाल लिए और एक शव देर शाम निकाला गया।**
- **सभी मृतक चिंरजीवी योजना से जुड़े हैं इसलिए सभी के परिजनों को 5-5 लाख रू. की सहायता दी जाएगी।**

विसर्जन के दौरान पैर फिसलने और फिर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में युवक पानी में डूब गए। मृतकों में ग्राम नंदा जी की ढाणी नांदला निवासी राजेंद्र पुत्र बाबूलाल रेगर, राहुल पुत्र कैलाश रेगर, लक्की पुत्र शंकर, राहुल पुत्र छितर, पवन पुत्र मोहनलाल, व शंकर पुत्र बाबूलाल, शामिल हैं।

तालाब में 6 युवकों के डूबने की सूचना मिलने पर नसीराबाद सदर थाना अधिकारी हेमराज सिंह मय जाप्ता के तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से 5 मृतकों के शव को पानी से निकालकर नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचाए।

वहीं एक मृतक शंकर के शव को सिविल डिफेंस की टीम ने तलाश कर देर शाम निकाला। हादसे की सूचना आसपास के ग्रामीण इलाकों में फैलने से कोहराम मच गया और सैकड़ों ग्रामीण नसीराबाद हॉस्पिटल पहुंचे अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक केकडी घनश्याम शर्मा, उपखंड अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, पुलिस उप अधीक्षक पूनम भरगढ़ सहित सिटी थाना व सदर थाना का पुलिस जाब्ता भी हॉस्पिटल पहुंचा। शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिए गए। उपखण्ड अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी मृतक चिरंजीवी योजना से जुड़े हुए थे, इसलिए सभी मृतकों के परिजनों को जल्द ही नियमानुसार पांच 5-5 लाख रुपये की बीमा राशि दी जाएगी। जिला कलेक्टर सहित सभी अधिकारी भी मौके पहुंचे और प्रत्यक्ष दर्शियों से वार्ता कर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।

सेना का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य सदस्यों का इलाज जारी है। अधिकारियों के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्य में हुए इस हादसे की वजह का अब तक पता नहीं लग सका है। फिलहाल, जांच जारी है। दिसंबर 2021 में तत्कालीन चीफ ऑफ डिफैन्स स्टाफ जनरल बिपिन रावत का भी हैलिकॉप्टर क्रैश में निधन हो गया था।

उस दौरान वह भारतीय वायुसेना के सुलूर स्टेशन से कुनूर के वेलिंगटन स्थित सर्विस स्टाफ कॉलेज जा रहे थे। यात्रा के दौरान उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। घटना में रावत व उनकी पत्नी सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी।

दशहरे पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर प्रहार किया था जो समाज के गरीब तबकों को ''राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिये बलि देने के साधन के रूप में काम में लेते हैं।'' 2017 में, उन्होंने कहा था कि मुस्लिम भी ''गोरक्षक'' हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि कृषि से जुड़ी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संरक्षण के लिये गौ-संरक्षण मूलभूत रूप से जरूरी है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि रोहिंग्या मुस्लिमों तथा जिहादियों के बीच जुड़ाव की बातें उभरकर आ रही हैं। इसके अलावा, उन्होंनें कश्मीर में संवैधानिक संशोधन किये जाने की भी अनुशंसा की थी। इस विजयादशमी पर, आर.एस. प्रमुख ने उन वर्गों की कोशिशों को बकवास बताया, जो ''डर एवं सनसनी पैदा करके'', यह दिखाने में लगे हैं कि ''संगठित हिन्दुओं के कारण अल्पसंख्यक खतरे में हैं।'' उन्होंने कहा कि ''यह न तो अतीत में कभी हुआ है और न भविष्य में कभी होगा।'' यह न तो संघ की प्रकृति है और न हिन्दुओं की। इतिहास इस बात को सिद्ध करता है। संघ भाईचारे, सौहार्द्र एवं शान्ति के पक्ष में खड़ा रहने के लिये संकल्पित है।

इन दिनों, भागवत मुस्लिमों तक पहुँचने की योजना पर काम कर रहे हैं। वे मुस्लिम बुद्धिजीवियों तथा धार्मिक हस्तियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं ताकि सामाजिक एवं राजनैतिक मुद्दों उनके नजरिये की जानकारी प्राप्त कर सकें। सभी प्रकार के संकेत यह बता रहे हैं कि आर.एस.एस. प्रमुख अल्पसंख्यकों और मुस्लिमों से राष्ट्र-निर्माण के कार्य के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन इस साल के उनके नागपुर-भाषण का असली संदेश अलग रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने उदयपुर एवं अमरावती में हुई जघन्य एवं वीभत्स का जिक्र किया, जिनमें एक दर्जी और एक फार्मासिस्ट को मार दिया गया था, क्योंकि उन्होंने भाजपा की निलम्बित प्रवक्ता नूपुर शर्मा की बात का समर्थन कर दिया था। भागवत ने कहा कि जहाँ प्रतिष्ठित मुस्लिमों के वर्गों ने इन घटना के विरोध में आवाज उठाई थी, वहीं विरोध के ये तरीके अगल-थलग पड़ी घटनाओं के रूप में नहीं रहने चाहिये। उन्होंने कहा, ''विरोध बड़े पैमाने पर होना चाहिये था।'' भागवत यह कहना चाहते थे कि हिन्दू समाज ऐसी घटनाओं का जोरदार विरोध करता आया है, जिनमें कोई हिन्दू आरोपी

चीनी का निर्यात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा उपभोक्ता और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी निर्यातक के रूप में उभर कर सामने आया है।

यह सत्र भारतीय चीनी उद्योग के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक साबित हुआ है।

गन्ना उत्पादन, चीनी उत्पादन, चीनी निर्यात, गन्ना खरीद, गन्ना बकाया भुगतान और एथनॉल उत्पादन के सभी रिकॉर्ड इसी दौरान बनाए गए। बयान के अनुसार, गन्ना सत्र 2021-22 के दौरान चीनी मिलों ने 1.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक के गन्ने की खरीद की है और भारत सरकार द्वारा बिना किसी वित्तीय सहायता (सब्सिडी) लिए हुए 1.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान जारी किया है।

इसी प्रकार से, चीनी सत्र के अंत में गन्ना बकाया 6,000 करोड़ रुपये से कम हो गया है, जो यह दर्शाता है कि गन्ना बकाये में से 95 प्रतिशत भुगतान पहले ही किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि गन्ना सत्र 2020-21 के लिए 99.9 फीसदी से अधिक गन्ना का बकाया चुका दिया गया है।

उत्तराखण्ड में बारातियों की बस खाई में गिरी, 32 लोगों की मौत

पौड़ी गढ़वाल/देहरादून, 5 अक्टूबर (वार्ता)। उत्तराखण्ड के पौड़ी गढ़वाल जनपद में मंगलवार देर शाम बारातियों से भरी बस के गहरी खाई में गिरने के बाद देर रात्रि शुरू हुआ राहत अभियान बुधवार शाम पूरा हो गया। इस वीभत्स दुर्घटना में कुल मृतक संख्या 32 पहुंच चुकी है जबकि कुल 18 बाराती घायल हैं।

घायल लोगों को विभिन्न चिकित्सालयों में उपचार के लिए भेजे गए हैं। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) प्रवक्ता विनीत कुमार ने यूनीवार्ता को आज शाम यह जानकारी दी। मंगलवार शाम लगभग सात बजे हुए इस हादसे की सूचना लगभग आठ बजे एसडीआरएफ और पुलिस को मिलने के बाद राहत कार्य विधिवत शुरू हो पाए थे। इससे पहले स्थानीय ग्रामीणों ने लगभग तीन सौ फिट गहरी खाई में अंधेरे में मोबाइल फोनों की लाइट में उतर कर बचाव (रेस्क्यू) कार्य शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित राज्य आपदा नियंत्रण केन्द्र जाकर, और पौड़ी के प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर जाकर रेस्क्यू कार्यों का सुपरविजन शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री आज हरिद्वार के सांसद रमेश पोखरियाल निशंक के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू वर्क का निरीक्षण किया। रात भर ग्रामीणों, एसडीआरएफ और पुलिस के जवानों द्वारा किया गया रैस्क्यू बुधवार शाम खत्म हुआ। उल्लेखनीय है कि हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र के ग्राम लालढांग में स्थित शिव मंदिर के निकट रहने वाले संदीप पुत्र स्व नंद राम की बरात मंगलवार दोपहर एक बजे पौड़ी जिले के कांडा गांव के लिए घर से निकली थी। बराती एक बस में सवार थे, जबकि दूल्हा संदीप कार से गया था। बरात की बस पौड़ी के बीरोंखाल सिमड़ी बैंड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

- **300 फीट गहरी खाई में बस पलट गई। इस दुर्घटना में 18 अन्य बाराती गम्भीर रूप से घायल हुये हैं**
- **मंगलवार देर शाम को यह दुर्घटना हुई। रैस्क्यू ऑपरेशन तभी शुरु कर दिया गया और बुधवार शाम तक चला।**
- **पुलिस ने बताया कि बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद, रैस्क्यू टीम के आने से पहले ही ग्रामीणों ने 300 फीट गहरी और अंधेरी खाई में उतरकर बचाव कार्य शुरु कर दिया था।**

मुंबई में रिलायंस के अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई, 5 अक्टूबर। मुंबई में आज दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब शहर के एक अस्पताल को फोन कॉल करके बम से उड़ाने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के बयान के मुताबिक मामला सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल से का है। हॉस्पिटल के लैंडलाइन पर अचानक से फोन बजा। फोन उठाया तो कॉल करने वाले ने अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी दी।

इस मामले में एक और चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक थ्रेट कॉल अज्ञात नंबर से आया था। फोन करने वाले ने अंबानी परिवार के कुछ सदस्यों का नाम लेकर धमकी दी है। सूत्रों ने बताया कि कॉलर ने मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को भी जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने कहा है कि घटना में अपराध डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक पूरे मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो कि करीब एक साल पहले ही दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था। इसके कुछ दिन बाद कार के मालिक मनसुख हिरेन का शव रेती बंदर की खाड़ी से बरामद हुआ था। इस मामले की जांच एन आई ए कर रही है।

- **मुंबई पुलिस ने बताया कि, फोन कॉल करने वाले व्यक्ति ने अंबानी परिवार के सदस्यों का नाम लेकर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी है**
- **गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले दक्षिण मुंबई के पैडर रोड स्थित मुकेश अंबानी के आवास, एंटीलिया से 300 मीटर की दूरी पर विस्फोटक से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी मिली थी। कार में 20 जिलेटिन की छड़ें और एक धमकी भरा लेटर बरामद हुआ था।**

राष्ट्रपति शी अपने आपको...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के तहत पार्टी चेयरमैन भारी अधिकार दिए गए उसे देश की सशस्त्र सेना का मुखिया भी बनाया गया।

रॉयटर न्यूज़ एजेंसी के अनुसार कई विशेषज्ञों ने बताया कि ये बदलाव शी की निजी विचारधारा को ''शी जिंनपिंग थॉट'' के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं और इसे ''माओ त्सेतुंग थॉट'' के समकक्ष ला सकते हैं

शी को पार्टी मुखिया के रूप में स्थापित करने के अलावा जो अन्य बदलाव किए जाएंगे उनमें प्रमुख हैं उनके विचारों को पार्टी का मार्गदर्शक मानना और पार्टी चेयरमैन का पद पुनः स्थापित करना जिसे 1982 में खत्म कर दिया गया था।

नब्बे के दशक से ही पार्टी संविधान में बदलाव कर नए नेतृत्व की राजनैतिक विचारधाराओं का जोड़ा जा रहा है। चाईनीज़ कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) की स्थापना 1921 में हुई थी और हरेक पार्टी कांग्रेस में इसके संविधान में समय के अनुसार परिवर्तन हुआ है।

सी.सी.पी. के 10 लाख सदस्य हैं पर इसका सर्वोच्च नेतृत्व कैसे काम करता है, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इस समय ''शी जिंनपिंग थॉट'' हर जगह है, जो चीन का नया ऑफिशियल डॉक्ट्रीन है। स्कूल, अखबार, टी.वी., इंटरनैट, बिल बोर्ड्स और बैनर हर जगह इनका प्रचार हो रहा है।

अधिकृत रूप से इसे ''शी जिंनपिंग थॉट आन सोशलिज़्म विद चाइनीज़ कैरेक्टरिस्टिक्स फॉर ए न्यु एरा'' कहा गया है। यह डॉक्ट्रीन तीन स्तर पर शी की पावर को मजबूत करने के बारे में है देश, पार्टी और खुद शी।''

हालिया दशकों में चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और ग्लोबल ट्रेड और निवेश का पावर हाउस बन गया था। शी जिंनपिंग थॉट अगला कदम उठाने की बात करता है तो उसका लक्ष्य चीन को ना केवल सम्पन्न बनाना है, बल्कि चीन को राजनैतिक रूप से ताकतवर बनाना भी है।

चीन के वैश्विक अभ्युदय के लिए शी चीन की सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और ''बैल्ट एण्ड रोड'' कार्यक्रमों में एक खरब डॉलर का भारी निवेश किया गया है। शी के अधीन चीन की सेना का आकार व ताकत दोनों बढ़ी है, भ्रष्ट अफसरों को हटाया जा रहा है और साउथ चाइना सी के विवादित क्षेत्र में सैन्य अड्डे बनाए जा रहे हैं।

फर्जी नामों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राशन कार्ड जारी है। प्रदीप कुमार के परिवार में कुल 4 सदस्य खुद प्रदीप कुमार, उसकी पत्नी शकुंतला देवी, बेटी हरमन और बेटा शिवम कुमार हैं। लेकिन उसने महालेश्वर और साले सुभाष चंद्र पुत्र पृथ्वीचन्द्र निवासी जण्डावाली का नाम फर्जी तरीके से जुड़वा रखा है।

जबकि जण्डावाली ग्राम पंचायत में खुद सुभाष चन्द्र का नाम अलग राशन कार्ड में दर्ज है और वह राशन सामग्री प्राप्त कर रहा है। प्रदीप कुमार ने इन दोनों फर्जी नामों पर अब तक करीब 9.30 क्विंटल गेहूं उठाया है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद आयुक्त के स्तर पर करवाई गई जांच में 2 नाम फर्जी तरीके से जोड़ना पाया गया है। पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

गठन के बाईस साल बाद टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करना शुरु कर दिया हैं, उन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं से बातें की हैं, लेकिन पूरे दृढ़ निश्चय एवं तत्परता दिखाते हुये कांग्रेस को छोड़ दिया है।

यहाँ यह बता देना समीचीन होगा कि कांग्रेस तेलंगाना विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल है तथा उसने सरकार के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। भाजपा ने भी स्वयं को के.सी.आर. को चुनौती देने वाले मुख्य दल के रूप में प्रोजैक्ट करना शुरु कर दिया है।

बुधवार को अपने राष्ट्रीय राजनैतिक दल के उद्घाटन या अपने क्षेत्रीय दल को राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप देने के महत्वपूर्ण अवसर पर के.सी.आर. ने अपनी पार्टी के नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों तथा जिला स्तरीय समन्वयकों को पार्टी मुख्यालय पर इकट्ठा किया था। प्रसंगवश बता दें कि अी.आर.एस. अप्रैल 2000 में बनी थी तथा 22 वर्ष में, उसने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा को व्यक्त करने के लिये, राष्ट्रीय राजनैतिक दल का रूप ले लिया है। रिकॉर्ड के लिये, टी.आर.एस. पार्टी की मीटिंग में, इसे ''भारत राष्ट्र समिति'' में विलय करने का प्रस्ताव पारित हो गया है। नयी पार्टी का स्वागत करते हुये, कुमारस्वामी ने कहा कि यह पार्टी विभिन्न क्षेत्रीय दलों के समूह का रूप लेगी तथा क्षेत्रीय दलों को अपने क्षेत्र एवं राष्ट्र के लिये अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करने के लिये उचित मंच उपलब्ध करायेगी।

यह नवगठित पार्टी विभिन्न राज्यों में लोकसभा के लिये अपने उम्मीदवार खड़ करेगी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री इस राष्ट्रीय राजनैतिक दल के गठन के इस समारोह में उपस्थित हुये थे। उनके साथ उनके राज्य से उनकी पार्टी के 20 विधायक भी समारोह में आये थे। वी.सी.के. प्रमुख तथा सांसद तिरुमवलानन अपने एक साथी सांसद के साथ इस पार्टी के स्थापना दिवस पर आयोजित इस समारोह में शामिल हुये थे। वस्तुतः इस समारोह में वी.सी.के. की उपस्थिति इसलिये दिलचस्प एवं उल्लेखनीय है क्योंकि वस्तुस्थिति यह है कि यह डी.एम.के.-गठबंधन पार्टनर है तथा इस प्रकार, कांग्रेस के साथ भी इसके मजबूत संबंध हैं तथा इस बात को नज़र अदांज नहीं किया जा सकता कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कन्याकुमारी से शुरु होने के समय, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं उपस्थित हुये थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908